अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 220 लखनऊ, बुधवार, 25 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

मोदी दो दिन की यात्रा पर आज जायेंगे इजरायल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन की यात्रा पर इजरायल जायेंगे जहां वह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने की संभावनाओं पर करेंगे। प्रधानमंत्री इज़राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि श्री मोदी प्रधानमंत्री नेतन्याहू के निमंत्रण पर 25 और 26 फरवरी को इज़राइल की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। यह श्री मोदी की इज़राइल की दूसरी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान श्री मोदी प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता भारतऽइज़राइल सामरिक साझेदारी में महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा एवं सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था तथा लोगों के बीच संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

एनसीईआरटी में अब 'न्यायिक भ्रष्टाचार' भी पढ़ाया जाएगा

नागपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली बार अपनी कक्षा-8 की पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार और अदालतों में बढ़ते मामलों पर अध्याय शुरू किया है। पाठ्यपुस्तक में 'समाज में न्यायपालिका की भूमिका' टाइटल वाले नए अध्याय में न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में बताया गया है, जिसमें अलग-अलग स्तर पर भ्रष्टाचार, जजों की कमी, मुश्किल कानूनी प्रक्रियाएं और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण मामलों का काफी लंबित होना शामिल है।

सिंगापुर में मिले एक लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव

60 हजार करोड़ के हुए एमओयू : योगी आदित्यनाथ

- सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री व गृह मंत्री से मिले मुख्यमंत्री योगी, औद्योगिक निवेश पर हुई चर्चा
- सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन कई विशिष्टजनों से मिले मुख्यमंत्री योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ सिंगापुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सिंगापुर में टीम यूपी को लगभग एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उनमें से 60 हजार करोड़ के एमओयू 'इन्वेस्ट यूपी' ने विभिन्न कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया आज पूरी तरह पारदर्शी हो चुकी है। निवेशकों को उत्तर प्रदेश में हो रही प्रत्येक गतिविधि की जानकारी है। यही कारण है कि कम समय में ही यूपी को इतना बड़ा निवेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह निवेश प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर व जापान की यात्रा पर आया है। सिंगापुर पहुंचने के बाद सुबह 8:30 बजे से देर रात तक लगातार बैठकें चलीं और दूसरे दिन भी प्रातःकाल से ही कार्यक्रम जारी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने समग्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उसी विजन को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ-नौ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, सर्विस सेक्टर और जन-कल्याण के क्षेत्रों में तेज गति से विकास किया है। आज भारत और उत्तर प्रदेश की छवि विश्व स्तर पर अत्यंत सकारात्मक रूप में देखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दो दिनों में उन्होंने एक सौ से अधिक प्रतिनिधियों से भेंट की है। सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री और ऊर्जा मंत्री के साथ भी उनकी सकारात्मक व सार्थक वार्ता हुई। इसके अतिरिक्त प्रमुख फिनटेक कंपनियों के अध्यक्ष व सीईओ के साथ भी बैठकें की गईं। कई कंपनियां पहले से भारत और उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही हैं। योगी ने उल्लेख किया कि देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित हो रहे गंगा एक्सप्रेस-वे में भी कुछ कंपनियों ने पहले से निवेश किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रति निवेशकों की धारणा में 360 डिग्री का सकारात्मक परिवर्तन आया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने उन अत्याधुनिक स्थलों का भी दौरा किया, जहां सामान्य लोगों का प्रवेश कठिन होता है। शीघ्र शुरू होने वाले जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ कार्गो सुविधा और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉलिंग) विकसित करने के लिए सिंगापुर की दक्षता का अध्ययन किया गया।

स्किलिंग मॉडल से 'एम्प्लॉयमेंट जोन' तक

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के विश्वस्तरीय स्किलिंग सेंटर (आईटीई) का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि हमने यूपी के अंदर हर जिले में स्केल को स्किलिंग में बदलने के लिए और स्किलिंग को रोजगार से जोड़ने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट जोन डेवलप करने की जो कार्रवाई शुरू की है। उसका यहां भी एक मॉडल देखने को हमें मिला है। मुख्यमंत्री योगी ने उम्मीद जताई कि इस सेंटर के साथ भी हम इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे।

टीम यूपी की सराहना, उच्चायुक्त को धन्यवाद

मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' सहित प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों और अधिकारियों की सराहना की, जो लगातार बैठकों में सक्रिय रहे। उन्होंने भारतीय उच्चायुक्त और उनकी टीम का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने ट्रेड, टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, एमआरओ और स्किलिंग जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सरकार 14 वर्ष की आयु की लड़कियों के लिए शुरू करेगी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही 14 वर्ष की आयु की लड़कियों के लिए राष्ट्रव्यापी एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करेगी और इस संबंध में 'गार्डासिल' इंजेक्शन निःशुल्क लगाया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'क्वाड्रिवेलेंट एचपीवी वैक्सीन' सर्वाइकल कैंसर का कारण बनने वाले एचपीवी टाइप 16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही यह टाइप 6 और 11 से भी सुरक्षा प्रदान करता है। आधिकारिक सूत्र ने कहा, ''मजबूत वैश्विक और भारतीय वैज्ञानिक प्रमाण इस बात की पुष्टि करते हैं कि अनुशंसित आयु वर्ग की लड़कियों में टीके की एक

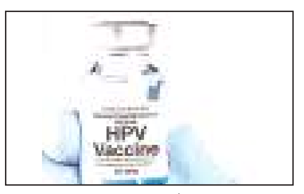

खुराक ही मजबूत और दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती है।'' सूत्र ने कहा, ''राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत टीकाकरण स्वैच्छिक और निःशुल्क होगा, जिससे सभी सामाजिक-आर्थिक समूहों को समान रूप से टीकाकरण की सुविधा मिल सकेगी।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत सरकार की ऐसी शासन प्रणाली को दर्शाती है, जहां वैज्ञानिक प्रमाण, नीतिगत निर्णय और कार्यान्वयन की तत्परता मिलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर उल्लेखनीय प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

जनप्रतिनिधियों और अफसरों के बीच संवाद के लिए 'संवाद सेतु' का आज होगा आगाज!

- यूपी के गाजियाबाद, हरदोई और कन्नौज से होगी पायलट प्रॉजेक्ट की शुरुआत!
- मंत्री ने समयबद्ध तैयारियों को लेकर जिलाधिकारियों को दिए निर्देश!

दिनेश दुबे

कन्नौज। प्रदेश सरकार के निर्देश पर जन प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच होने वाले संवाद को और अधिक सुगम, पारदर्शी तथा जवाबदेह बनाने की दिशा में 25 फरवरी से 'संवाद सेतु' (जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर) व्यवस्था लागू की गई है। व्यवस्था को ''पायलट प्रॉजेक्ट'' के रूप में प्रदेश के जिला गाजियाबाद, हरदोई और कन्नौज में आज 25 फरवरी से शुरू किया जायेगा। इस संबंध में समयबद्ध तैयारियों को लेकर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जिससे यह योजना सुचारु रूप से लागू हो सके। ग़ौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही विधान सभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने अधिकारियों द्वारा जन प्रतिनिधियों के फोन न उठाए जाने का मुद्दा उठाया था। लिहाजा सरकार ने अधिकारियों द्वारा जन प्रतिनिधियों के फोन न उठने की समस्या का समाधान करने के लिए इस नई व्यवस्था के अंतर्गत हर जनपद में जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर (क्एएए) स्थापित करने का निर्णय लिया है । इस निर्णय के तहत अगर किसी अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि की कॉल 10 मिनट के भीतर रिसीव या कॉल बैक नहीं की जाती है, तो उस जन प्रतिनिधि द्वारा कमांड सेंटर को सूचित किया जायेगा। कमांड सेंटर संबंधित अधिकारी को तुरंत कॉल बैक करने के लिए निर्देशित करेगा और अधिकारियों तथा जन प्रतिनिधियों के मध्य संवाद सुनिश्चित करेगा। प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण के मुताबिक इस व्यवस्था से सम्मान और जिम्मेदारी दोनों का निर्धारण होगा। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था केवल कार्य दिवसों और कार्यालय समय में ही सरकारी (एठक्) नंबरों पर लागू होगी। बेहतर संवाद और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही की स्थिति में रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। चूंकि यह पहल विधानसभा में उठे मुद्दे के बाद सरकार द्वारा अमल में लाई जा रही है, और इस संबंध में राज्यमंत्री असीम अरुण ने चर्चा के दौरान ही सदन में सुझाव भी दिया था।

शंकराचार्य विवाद में टोपी ट्रांसफर!

मामला शंकराचार्य बनाम योगी आदित्यनाथ की जगह शंकराचार्य बनाम रामभद्राचार्य हुआ

- राजनीतिक लाभ के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी लगातार शंकराचार्य के पक्ष में दे रहे बयान

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

लखनऊ। प्रयागराज के माघ मेले में संगम की रेती से उठा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और सीएम योगी आदित्यनाथ का विवाद नया स्वरूप लेता जा रहा है। अब सीएम योगी नेपथ्य में जा रहे हैं और जगतगुरु रामभद्राचार्य सामने आते जा रहे हैं। अब इस मामले में शंकराचार्य पर बाल यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराकर रामभद्राचार्य की ओर से बैटिंग की जिम्मेदारी उनके शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने उठा ली है। उधर न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने के बाद प्रयागराज जिले की झूंसी थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, और शंकराचार्य पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि अनुमान तो था कि प्रहार होगा, पर इतना नीच होगा, यह अनुमान नहीं था। उधर सपा प्रमुख अखिलेश यादव निरंतर अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में बयानबाजी कर रहे हैं।

झूंसी थाने में दर्ज इस मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से पूछताछ की है। सनद रहे कि माघ मेले में स्नान का विवाद होने के बाद जब जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने शंकराचार्य पर टिप्पणी की तो शंकराचार्य ने भी उनके संत होने पर सवाल उठा दिया था। शंकराचार्य ने कहा था कि कोई भी विकलांग साधु नहीं हो सकता, यह शास्त्र में वर्जित है। ऐसे में अब रामभद्राचार्य के शिष्य द्वारा अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ मामला दर्ज कराने के बाद शंकराचार्य और रामभद्राचार्य आमने-सामने आ गए हैं। मतलब एफआईआर होने के बाद योगी नेपथ्य में आ गए हैं, यानी टोपी ट्रांसफर हो गई है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद शंकराचार्य ने कहा कि है कि मुझे अनुमान तो था कि मुझ पर प्रहार होगा, लेकिन इतना नीच होगा, इसकी कल्पना नहीं थी। योगी आदित्यनाथ जैसे लोग कितनी नीचता पर जा सकते हैं, यह दिख रहा है। शंकराचार्य ने कहा कि एक दिन सच सामने आएगा। पर मैं चाहता हूं कि मामले की त्वरित जांच हो ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

उधर सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस समय शंकराचार्य के पक्ष में लगातार बैटिंग कर रहे हैं। शंकराचार्य पर मुकदमा दर्ज होने के बाद सपा प्रमुख ने पूर्व में जगद्गुरू रामभद्राचार्य पर लगे धोखाधड़ी के मामले को उछाल दिया है। उनका कहना है कि मुझसे गलती हुई कि मैंने 420 के मामले में रामभद्राचार्य के खिलाफ केस वापस कराया था। मुझे उनको जेल भेजना चाहिए था। अखिलेश यादव कहते हैं कि ये सब भाजपा की लव स्टोरियां हैं। उनका आरोप है कि भाजपा ने ब्राह्मणों को बदनाम करने के लिए फिल्म बनवाई, जिसका हम नाम भी नहीं ले सकते। पर ब्राह्मण ईमानदार होता है। अब ताजा घटनाक्रम में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है तो ऐसे में शंकराचार्य द्वारा रामभद्राचार्य को विकलांग कहने भी को मामले से जोड़ा जा रहा है।

आरोप है कि योगी सरकार की मंशानुरूप ही रामभद्राचार्य के इशारे पर उनके शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा ये मामला खड़ा किया गया है। फिर ऐसे में तो इस मामले में साजिश का एंगल जुड़ता है। शंकराचार्य का भी सरकार से निवेदन है कि मामले की त्वरित जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए। पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कुछ दिन पहले ही योगी सरकार की जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि मुझसे अभद्रता और शिष्यों पर लाठीचार्ज, शिखा खींचने की जांच गैर भाजपाई सरकारों की एजेंसियों से कराई जाए, तभी सच सामने आ पाएगा। और यही बात आवाहन अखाड़े के महा मण्डलेश्वर प्रकाशानंद महाराज भी कहते हैं। वे कहते हैं कि योगी सरकार की पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। किसी स्वतंत्र एजेंसी से मामले की जांच कराई जाए। बताया जाता है कि शंकराचार्य पर केस दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी का मूल नाम आशुतोष पांडेय है और वे शामली जिले के कांधला थाना क्षेत्र निवासी हैं। उनकी हिस्ट्रीशीट भी खुली हैं। इन सारे तथ्यों को शंकराचार्य के शिष्य योगीराज ने सार्वजनिक किया है।

इसके अलावा शंकराचार्य को आगामी 10-12 मार्च को लखनऊ में संतों की सभा करके योगी आदित्यनाथ के हिंदू या कालनेमि होने की घोषणा करनी थी। ऐसे में इस मुकदमे में शंकराचार्य को दबाव में लेने का प्रयास भी कहा जा सकता है। उनके खिलाफ लगे आरोप सही हैं या गलत, ये तो जांच के बाद पता चल पाएगा, पर तब तक वे असहज तो रहेंगे ही। अब इस मामले में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या और बृजेश पाठक के अलावा आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने योगी की मंशा के खिलाफ बयान देकर शंकराचार्य का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश में संतों का बड़ा महत्व है, इसलिए उनका सम्मान होना चाहिए। इस प्रकार योगी पर नैतिक दबाव बढ़ता जा रहा है।

पर फिलहाल रामभद्राचार्य पर टोपी ट्रांसफर हो गई है। और सपा प्रमुख ने भी जगद्गुरू रामभद्राचार्य के एक पुराने मामले का जिक्र कर विवाद को शंकराचार्य बनाम रामभद्राचार्य का नया नैरेटिव दे दिया है।

एआई शिखर सम्मेलन पर जारी 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को 91 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन

नई दिल्ली। नई दिल्ली में पिछले सप्ताह आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के समापन पर जारी 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को अबतक दुनिया के 91 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन मिल चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारत ने इस मंच के माध्यम से समान पहुंच और वैश्विक सहयोग पर आधारित 'सभी के लिए एआई' के अपने विजन का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। 21 फरवरी तक इस घोषणापत्र पर 88 देशों और दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन (यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास फंड) ने सहमति जताई थी। इस साझा वैश्विक दृष्टिकोण का समर्थन करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, और यूएई जैसे शक्तिशाली राष्ट्र शामिल हैं।

कैबिनेट ने तीन रेल मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 9,072 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीईए की हुई बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत परियोजनाओं में

गोंदियाऽजबलपुर दोहरीकरण, पुनारखऽकिऊल तीसरी एवं चौथी लाइन तथा गम्हरियाऽचांडिल तीसरी एवं चौथी लाइन शामिल हैं। ये तीनों परियोजनाएं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों को कवर करेंगी और इनके माध्यम से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 307 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 5,407 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जिनकी कुल आबादी करीब 98 लाख है।

केंद्र ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम्' करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम्' किए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नए 'सेवा तीर्थ' में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

शोभा गुप्ता आईडीईएस को टॉप 25 चेंजमेकर्स ऑफ 2025 'ब्यूरोक्रेट्स ऑफ इंडिया' में शामिल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के प्रशासनिक तंत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार और जनसेवा के प्रति समर्पण का सम्मान करते हुए प्रतिष्ठित मंच Top 25 Changemakers of 2025 – Bureaucrats of India द्वारा जारी सूची में श्रीमती शोभा गुप्ता, आई.डी.ई.एस. का चयन किया जाना अत्यंत गौरव का विषय है। यह प्रतिष्ठित सूची उन 25 विशिष्ट अधिकारियों को सम्मानित करती है जिन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से जनकेंद्रित प्रशासन, संस्थागत सुदृढ़ीकरण तथा प्रभावी नीति क्रियान्वयन में

उल्लेखनीय योगदान दिया है। शोभा गुप्ता का यह सम्मान उनकी प्रशासनिक दक्षता, उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता तथा सार्वजनिक हित में किए गए समर्पित कार्यों का राष्ट्रीय स्तर पर मिला महत्वपूर्ण प्रमाण है। उनके प्रयासों ने न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, नवाचार और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

यही कारण है कि वे आज प्रेरणास्त्रोत के रूप में उभरकर सामने आई हैं और सुशासन के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित कर रही हैं। देश भर में फैली रक्षा भूमि के बेहतर प्रबंधन ,छावनियों के नागरिक प्रशासन और पारदर्शी शासन व्यवस्था के लिए श्रीमती शोभा गुप्ता को उत्कृष्ट ब्यूरोक्रेट का यह सम्मान एवं उपलब्धि हेतु उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। हमें विश्वास है कि वे आगे भी अपने नेतृत्व और सेवा भाव से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेंगी।

राहुल की मुहब्बत की दुकान में मिलता है 'नफरत और भारत विरोध' का सामान : ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा नेता व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राहुल गाँधी की तथाकथित मुहब्बत की दुकान में केवल और केवल 'नफरत, अराजकता, दंगा और भारत विरोध' का सामान मिल रहा है। बीजेपी के सूबाई दफ्तर में मीडिया से मुखातिब डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने झूठ की राजनीति के उस स्तर को छू लिया है, जहाँ से वापसी संभव नहीं है। जिस प्रकार के अनर्गल और तथ्यहीन आरोप राहुल गांधी हर दिन प्रधानमंत्री मोदी जी और भारत सरकार पर लगाते हैं और सोशल मीडिया पर विष-वमन करते हैं, वह न केवल निंदनीय हैं बल्कि 'राष्ट्रद्रोह' की श्रेणी में आता है। आज देश देख रहा है कि राहुल गांधी की राजनीति का स्तर किस कदर गिर चुका है। उनका एकमात्र उद्देश्य अब झूठ पर झूठ बोलना, जनता को उकसाना, अराजकता फैलाना और भारत की ताकत को नीचा दिखाना रह गया है। जब भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, तब एआई ग्लोबल समिट में कांग्रेस नेताओं ने नंगा नाच कर न केवल देश की गरिमा को तार-तार किया बल्कि देश को दुनिया में बदनाम करने की साजिश रची। आज राहुल गाँधी ने इस 'नंगा नाच' का समर्थन कर इन नंगे कांग्रेसियों को बब्बर शेर कहा है। राहुल गांधी द्वारा इस कृत्य का समर्थन करना यह सिद्ध करता है कि इस पूरी पटकथा के सूत्रधार वही हैं। विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन विरोध के नाम पर 'नग्नता' और

'अराजकता' का सहारा लेना भारतीय संस्कृति और भारत की महान विरासत के खिलाफ है। राहुल का मतलब रा- रार, हु - हुड़दंग, ल- लफंगई। देश की जनता अराजकता फैलाने वाली इस नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। विदेशी प्रोपेगेंडा मशीनों के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के प्रधानमंत्री पर कीचड़ उछालना राहुल गाँधी की पुरानी आदत है। लेकिन याद रखिए, सूरज पर थूकने से खुद का चेहरा ही गंदा होता है। देश की जनता अराजकता फैलाने वाली नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। राहुल गाँधी खुद को 'बब्बर शेर' होने का दावा करते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि आप केवल 'विदेशी शक्तियों के प्यादे' बनकर रह गए हैं। राहुल गांधी का एजेंडा स्पष्ट है-भारत की बढ़ती इकोनॉमी को रोकना और दुनिया भर में भारत की छवि को धूमिल करना। राहुल गांधी देश में भारत विरोधी ताकतों के राष्ट्रीय प्रवक्ता बन गए हैं। राहुल गांधी देश में नकारात्मक राजनीति के सबसे बड़े ब्रांड एम्बेसडर हैं। देश में अराजकता फैलाना, दंगे कराना, विदेशी मंचों पर भारत को बदनाम करना, फ़ेक न्यूज फैलाकर लोगों को उकसाना, अफवाह फैला कर आंदोलन कराना ही राहुल गांधी की राजनीति का परिचय है। राहुल गांधी गालियां देकर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। कल जिस तरह से राहुल गांधी ने फिर अनर्गल प्रलाप किया है, झूठ का प्रपंच किया है, उससे स्पष्ट है कि राहुल गांधी अब अराजकता पर उतर आए हैं। देश को हर दिन बदनाम करना और मोदी को गाली देना राहुल गांधी का पैशन और फैशन, दोनों बन चुका है। सच्चाई यह है कि राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन से फंड लेने वाले लोग आज हमें 'देश रक्षा' का पाठ पढ़ा रहे हैं। जनता सब देख रही है और कांग्रेस तथा राहुल गांधी के 'झूठ के साम्राज्य' को बहुत जल्द जमींदोज कर देगी।

एक साइड में गाड़ी व दूसरे साइड में फैला मौरंग, आखिर कैसे निकले दूसरी गाड़ी?

- संजय गांधीपुरम फैजाबाद रोड नियर त्रिशक्ति धाम मंदिर गाजीपुर थाने का मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। हमारे समाज में ही ऐसे जाहिल लोग भी रहते हैं जो सड़क के किनारे गाड़ी खड़ी करते हैं। दूसरी साइड मोरंग पड़ी है खंभा लगा है। अब आप निकलेंगे कैसे और अगर इस गाड़ी को नुकसान होता है तो पूरे का पूरा पुलिस महकबा आपके पीछे हाथ धोकर पड़ जाएगा और इस पर एक्शन लेने की बात हो तो इनके हाथ खाली होंगे।

सुन्न होगा पूरा दिमागः आप पुलिस में शिकायत करते हैं तो वह कहते हैं हमारे पास ना चालान करने की औकात है ना हमारे पास क्रेन है और ना हम कुछ कर सकते हैं। यह नगर निगम का काम है नगर निगम कहता है यह पुलिस का काम है अब इसके बाद आप इस गाड़ी वाले से भिड़ जाइए फिर फोन आएगा मुकदमा दर्ज करा दिया है चौकी पर आएये। इस तरह के मामले में गाड़ी मालिक और उसकी बीवी बंटी बबली की तरह पक्के चतुर होते हैं और लड़ने में ऑल राउंडर। यही बहुत ही खतरनाक दिमाग का व्यक्ति है टॉप का बॉडीबिल्डर है और जिम ट्रेनर अब आप समझ लीजिए जिम ट्रेनरों के लिए कितना कठिन है पुलिस को कार्रवाई करना। संजय गांधीपुरम फैजाबाद रोड नियर त्रिशक्ति धाम मंदिर गाजीपुर थाने का मामला है।

फोटो में दिख रहा है एक साइड में गाड़ी व दूसरे साइड फैला मौरंग।

संक्षिप्त समाचार

सीएमएस छात्र को 64,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस के छात्र कृशिव नारायन अग्रवाल को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट द्वारा 64,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। सी.एम.एस. छात्र को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। कृशिव ने इस सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने सी.एम.एस. छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है। श्री खन्ना ने बताया कि प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं।

रोबोटिक तकनीक से सात वर्षीय बच्चे की हुई सफल सर्जरी, सूजन की समस्या से मिली निजात

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में पहली बार रोबोटिक तकनीक से एक 7 वर्षीय बच्चे की सफल सर्जरी की गई है। बच्चे को हार्निया की समस्या थी। सर्जरी के बाद स्वस्थ होने पर बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया है। उन्नाव जनपद के हसनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम व पोस्ट धारवा निवासी अक्षांस (7 वर्ष), पुत्र सतीश कुमार, पिछले आठ महीनों से दोनों अंडकोश में सूजन की समस्या से पीड़ित था। जिसके बाद परिजन बच्चे को पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जेडी रावत की ओपीडी में लेकर आए, जहां जांच के दौरान दोनों तरफ हार्निया की पुष्टि हुई। बच्चे की स्थिति को देखते हुए उसे 13 फरवरी को सर्जरी के लिए भर्ती किया गया। जिसके बाद पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में रोबोटिक तकनीक से पहली बार बीते 16 फरवरी को ऑपरेशन किया गया था। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से बच्चे के दोनों अंडकोश में मौजूद हार्निया का सफलतापूर्वक एक साथ ऑपरेशन किया गया। रोबोटिक सर्जरी के कारण बच्चे को कम दर्द हुआ और उसकी रिकवरी भी तेज रही। विभागाध्यक्ष डॉ. जेडी रावत ने बताया कि ऑपरेशन के अगले ही दिन बच्चा उठकर चलने-फिरने लगा और चिकित्सकों की निगरानी में सुधार होने के बाद 23 फरवरी 2026 को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इस सर्जरी को सफल बनाने में प्रो. जे. डी. रावत, प्रो. सुधीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह, डॉ. प्रीति और डॉ. कृतिका की सर्जिकल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. विनीता सिंह और डॉ. नीलकमल की टीम ने संभाली।

लखनऊ में गूंजा 'बिजुरिया' फिल्म का नाम भव्य अंदाज में हुआ टीजर लॉन्च

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज भारत की पहली एआई-लाइव एक्शन संयुक्त महिला सुपरहीरो फिल्म बिजुरिया का आधिकारिक टीजर लॉन्च भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह फिल्म एक साधारण लड़की दिव्या की असाधारण यात्रा की कहानी है, जो आत्मविश्वास की कमी और सामाजिक भेदभाव से जूझते हुए अपनी पहचान तलाशती है। फिल्म उन महिलाओं की हकीकत को उजागर करती है, जो रोजाना उत्पीड़न और भेदभाव का सामना करती हैं। कहानी में दिव्या की मुलाकात तेज नाम की एक बहादुर और वैज्ञानिक सोच रखने वाली युवती से होती है, जो उसकी जिंदगी बदल देती है। यह मुलाकात दिव्या को एक अनोखी सुपरहीरो में परिवर्तित कर देती है, जो समाज में व्याप्त कुरीतियों और अपराध के खिलाफ खड़ी होती है तथा महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश करती है। फिल्म के निर्देशक शारिब रजा ने बताया कि ल्बिजुरियाङ्क महिला सशक्तिकरण को एक नए और आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक और लाइव-एक्शन के संयोजन से यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नई दिशा स्थापित करेगी।

स्कॉर्पियो रुकवाकर रॉड, कुर्सी-टेबल से पीटा, घायल युवक आईसीयू में भर्ती

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर देर रात दो पक्षों में बवाल हो गया। कुछ दबंगों ने हॉर्न बजाने पर स्कॉर्पियो पर तोड़फोड़ की। उस पर सवार युवक पर क्रेटा कार चढ़ा दी। सिर पर रॉड और कुर्सी-टेबल से पीट दिया। घायल पीड़ित युवक आईसीयू में भर्ती है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशियाना एलडीए कॉलोनी सेक्टर-ई निवासी पीड़ित नमन भटियानी ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार त्यागी (निवासी सनराइज ओमेक्स आर-1) के साथ रात करीब 2.30 बजे शहीद पथ स्थित कालिका रेस्टोरेंट पर खाना खाने गए थे। वहीं पर कुछ युवकों ने केवल हॉर्न बजाने पर उसे मारा-पीटा। आरोप है कि उनकी गाड़ी का हॉर्न बजाने पर वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब गाली-गलौज का विरोध किया, तो आरोपियों ने कुर्सी-टेबल और अन्य सामान से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में तुषार त्यागी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। नमन भटियानी ने आरोप लगाया कि उनके सिर पर लोहे के रॉड से वार किया गया था। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने अपनी क्रेटा कार (यूपी 32 एसएम 3402) तुषार त्यागी के ऊपर चढ़ा दी। किसी तरह घायलों को कार में डालकर अस्पताल ले जाया गया। पहले उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर बाद में अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां तुषार इस समय आईसीयू में उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में नमाज पर गरमाया विवाद: 13 छात्रों को शांति भंग की आशंका में नोटिस, 50-50 हजार रुपये की मुचलके का आदेश जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रमजान के पवित्र महीने में लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में लाल बारादरी मस्जिद को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 13 छात्रों को नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 50 हजार रुपये का व्यक्तिगत मुचलका और दो-दो 50 हजार रुपये के जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया गया है। यह कार्रवाई एक साल तक प्रभावी रहेगी।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट (सहायक पुलिस आयुक्त, लखनऊ कमिश्नरेट) द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 126/135 के तहत जारी नोटिस में हसनगंज थाने की रिपोर्ट के आधार पर आरोप लगाया गया है कि इन छात्रों ने लाल बारादरी के पास चल रहे निर्माण कार्य में बाधा डालने की कोशिश की, कैंटीन के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की और सार्वजनिक स्थान पर नमाज अदा करने का प्रयास किया। इससे परिसर में तनाव पैदा हुआ और भविष्य में शांति भंग होने की आशंका बनी रही। विवाद की शुरुआत तब हुई जब मस्जिद के गेट को बंद कर दिया गया, जिसके विरोध में मुस्लिम छात्रों ने बाहर नमाज पढ़ी। एक वायरल वीडियो में हिंदू छात्रों ने मानव श्रृंखला (ह्यूमन चेन) बनाकर उनकी मदद की और नमाज के बाद रोजा खोला। इसके जवाब में दूसरे छात्र संगठनों, खासकर इउठ्ठ ने विरोध जताया और सोमवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने की कोशिश की, जिसके दौरान पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रशासन का कहना है कि लाल बारादरी में रेनोवेशन चल रहा है और सुरक्षा कारणों से प्रवेश प्रतिबंधित है। छात्रों का दावा है कि वर्षों से यहां नमाज पढ़ी जाती रही है। इस घटना से कैंपस में धार्मिक भावनाओं का टकराव बढ़ गया है, जहां दोनों पक्ष अपनी परंपराओं की रक्षा पर अड़े हैं। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी बल तैनात किया हुआ है। छात्रों ने नोटिस का विरोध जताते हुए कहा है कि वे इसका जवाब देंगे और अगर मस्जिद का गेट नहीं खोला गया तो आंदोलन तेज करेंगे। यह मामला अब कानूनी और सामाजिक बहस का केंद्र बन गया है।

अमौसी को मिली बड़ी उपलब्धि, यात्री सुविधाओं और सत्कार में मिला विश्वस्तरीय सम्मान

लखनऊ। अदब के शहर लखनऊ ने एक बार फिर आतिथ्य सत्कार का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत कर बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं, पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रियाओं तथा गर्मजोशी भरे आतिथ्य के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो बड़े पुरस्कारों के लिए चुना गया है। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट को 5S15 मिलियन यात्री श्रेणी में एशिया प्रशांत क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्थान और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ आगमन हवाई अड्डा चुना गया है। एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) के तत्वावधान में आयोजित विशेष समारोह में ये सम्मान अमौसी हवाई अड्डा प्रशासन को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं, पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रियाओं तथा गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए दिए गए हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि सुव्यवस्थित प्रस्थान व्यवस्था से लेकर सहज और यादगार आगमन अनुभव तक, हर स्तर पर यात्रियों की अपेक्षाओं से बढ़कर सेवा देने का प्रयास किया गया है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप की प्रेस वार्ता, बजट 2026-27 में पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजन कल्याण पर फोकस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को अपने मंत्री आवास, 11 एनडीएमआर विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में विभागीय उपलब्धियों एवं वर्ष 2026-27 के सामान्य बजट के संबंध में विस्तृत प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री कश्यप ने कहा कि वर्ष 2026-27 के सामान्य बजट में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को ऐतिहासिक बढ़ोतरी दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का बजट इस वर्ष 3402 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है, जबकि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का बजट बढ़ाकर 2140 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मंत्री कश्यप ने बताया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से प्रदेश में एक भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहा है। यह प्रदेश के इतिहास में पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले छात्रवृत्ति वितरण 31 मार्च को वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन होता था, लेकिन योगी सरकार ने व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए वर्ष 2025 में 25 सितंबर से ही छात्रवृत्ति वितरण प्रारंभ कर दिया। अब तक लगभग 20 लाख छात्र-छात्राओं को समयपूर्व छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री के निर्णय से छात्रवृत्ति हेतु अभिभावकों की आय सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा। पूर्वदशम छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति राशि 2250 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये किए जाने की भी घोषणा की गई है। वर्ष 2026-27 में लगभग 38 लाख विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलने की संभावना है।

मंत्री कश्यप ने बताया कि पिछड़े वर्ग की गरीब बेटियों के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 210 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पूर्व में यह योजना केवल बीपीएल आय सीमा (ग्रामीण 46,000 और शहरी 56,000 रुपये) तक सीमित थी, जिसे बढ़ाकर अब ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 1 लाख रुपये वार्षिक आय तक कर दिया गया है। इससे अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सकेगा। प्रदेश में संचालित 102 पिछड़ा वर्ग छात्रावासों के रखरखाव के लिए पहली बार 5 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, ताकि छात्रावासों में आधारभूत सुविधाओं का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त ट्रिपल सी एवं 'ओ' लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए भी बजट की व्यवस्था की गई है, जिससे ओबीसी वर्ग के युवा सरकारी नौकरियों के लिए सक्षम बन सकें। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री कश्यप ने बताया कि दिव्यांगजन पेंशन राशि 1000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह होने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व यह राशि मात्र 300 रुपये थी, जिसे योगी सरकार ने चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर अब पांच गुना तक पहुंचा दिया है। पेंशन मद में 1400 करोड़ रुपये से अधिक की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (डीआरसी) स्थापित करने का निर्णय भी कैबिनेट द्वारा लिया गया है, जिसके लिए 7 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से दिव्यांगता की प्रारंभिक पहचान, उपचार एवं उपकरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

इलेक्ट्रीशियन ने फांसी लगाई डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में एक 27 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। नरही राधा कृष्ण मंदिर लेन निवासी सुमित कश्यप (27) प्राइवेट इलेक्ट्रीशियन था। उसके पिता अशोक कश्यप ने बताया कि सुमित पिछले कुछ दिनों से काम पर नहीं जा रहा था। उसकी पत्नी कविता पिछले चार माह से अपनी तीन माह की बेटी के साथ चारबाग स्थित मायके में रह रही है। परिजनों के मुताबिक, सोमवार देर रात सुमित किसी काम से घर से बाहर गया था। कुछ देर बाद वह नशे की हालत में लौटा और सीधे अपने कमरे में चला गया। रात करीब 10.30 बजे जब पिता अशोक उसे खाना खाने के लिए बुलाने गए तो दरवाजा खोलने पर देखा कि वह पंखे के कुंडे में साड़ी के सहारे लटका हुआ है। यह देखते ही उनकी चीख निकल गई। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। परिजन तुरंत उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए सिविल हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

बौद्ध भूमि कुशीनगर बना 'मिनी थाईलैंड', शोभायात्रा में शामिल हुए थाईलैंड के राजदूत

- 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा' महापरिनिर्वाण मंदिर से रामाभार स्तूप पहुंचकर हुई समाप्त, 20-24 फरवरी तक भव्य आयोजन
- बौद्ध आयोजन से भारत-थाईलैंड मैत्री प्रगाढ़, इनबाउंड टूरिज्म को भी बढ़ावा
- 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा' बनी भारत-थाई सांस्कृतिक सेतु का प्रतीक, दोनों देशों के संबंध हुए और प्रगाढ़ : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में मंगलवार को आस्था और बौद्ध संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। थाई मोनेस्ट्री कुशीनगर की ओर से आयोजित पांच दिवसीय (20 से 24 फरवरी) समारोह के अंतिम दिन 17वीं पवित्र 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा' हाथी-घोड़े और गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। शोभायात्रा से संपूर्ण बुद्ध स्थली धम्ममय हो उठी। विशेषकर थाईलैंड से पहुंचे बौद्ध श्रद्धालुओं, भिक्षुओं और पर्यटकों की उपस्थिति ने इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि महाराज यतींद्र मोहन प्रताप मिश्रा तथा थाई राजदूत चवानाथ थानसून फंट की गरिमामय उपस्थिति के बीच थाईलैंड से आए बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना की। मंगलवार सुबह शोभायात्रा महापरिनिर्वाण मंदिर से निकली, जो रामाभार स्तूप में पूजन-वंदन के बाद संपन्न हुई। थाई बौद्ध धर्म गुरु फ्रा था थेप बोधियोंग और थाई मंदिर के प्रमुख भिक्षु फ्राविडेश्चेरियन (डॉ. पी सोम पोंग) की देखरेख में विशेष पूजा-अर्चना की गई। शोभायात्रा में थाईलैंड के अलावा नेपाल, तिब्बत, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और हिमालयी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे बौद्ध धर्मावलंबियों की गरिमामय उपस्थिति रही। हजारों स्थानीय के साथ 200 से अधिक विदेशी बौद्ध श्रद्धालु पवित्र यात्रा का हिस्सा बने। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा जैसे आयोजन भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस

प्रकार के कार्यक्रम प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सद्भाव और सहयोग को भी नई ऊंचाई प्रदान करते हैं। भारत और थाईलैंड के बीच मैत्री संबंध इन आयोजनों के माध्यम से निरंतर प्रगाढ़ हो रहे हैं। थाईलैंड से कुशीनगर पधारे लगभग 50 कलाकारों ने पारंपरिक 'सोम पोथा फ्रा धात' नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। थाई कलाकारों की सुसज्जित पारंपरिक वेशभूषा, सौम्य भाव-भंगिमाएं और लयबद्ध प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर भारत और थाईलैंड सहित विभिन्न देशों से आए बौद्ध भिक्षुओं एवं उपासकों की उपस्थिति ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक एकता का स्वरूप प्रदान किया। 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा' के अंतिम दिन कुशीनगर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शोभायात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया। आकर्षक ढंग से सुसज्जित पालकी, कतारबद्ध श्रद्धालुओं की उपस्थिति और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों ने पूरे वातावरण को एक दिव्य उत्सव में परिवर्तित कर दिया। 'बुद्ध धातु शोभा यात्रा' के दौरान पांच दिनों तक विभिन्न प्रतियोगिताएं और रचनात्मक कार्यक्रम हुए। भगवान बुद्ध के उपदेशों एवं करुणा संदेश पर आधारित गायन प्रतियोगिता, चित्रकला एवं रंग भरने की प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त, मंत्रोच्चार, भिक्षादान, निःशुल्क चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन किया गया। शोभायात्रा समाप्ति से पूर्व विभिन्न प्रतियोगिताएं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'भगवान बुद्ध की करुणा, शांति और वैश्विक सद्भाव का संदेश आज भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को उत्तर प्रदेश की पावन धरा की ओर आकर्षित कर रहा है। प्रदेश का बौद्ध सर्किट न केवल घरेलू बल्कि बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए भी आस्था और अध्ययन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वर्ष 2025 में प्रदेश के सभी छह प्रमुख बौद्ध स्थलों- कुशीनगर, कौशांबी, संकिसा, श्रावस्ती, कपिलवस्तु और सारनाथ में 4.42 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन इसी बात का प्रमाण है। राज्य पर्यटन विभाग दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को अपनी 'बोधि यात्रा' की शुरुआत उत्तर प्रदेश से करने को आमंत्रित करता है।

यूपी में 3.67 लाख किसानों को दिन में मिलेगी नियमित बिजली, पीएम-कुसुम के तहत हरी झंडी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के किसानों की जल्द ही खेती की सिंचाई की समस्या हल होगी। यदि योजना के मुताबिक कार्य हुआ तो सूबे के करीब 3.67 लाख कृषि उपभोक्ताओं को दिन में नियमित बिजली आपूर्ति मिलने की संभावना है। इसके लिए सरकार ने अब तक लगभग 1708.1 मेगावाट क्षमता के 581 पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) को हरी झंडी दे दी है। यह पहल न केवल ऊर्जा क्षेत्र को सुदृढ़ करेगी, बल्कि किसानों को सशक्त बनाने और प्रदेश को हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर साबित हो सकेगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक, इस योजना के लिए केंद्र सरकार अधिकतम 1.05 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट तथा राज्य सरकार 50 लाख रुपये प्रति मेगावाट की सहायता दे रही है। इस प्रकार कुल सहायता लगभग 1.55 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट तक पहुंच रही है। कौशांबी और बिजनौर जिलों में स्थापित लगभग 3.3 मेगावाट की पायलट परियोजनाएं राज्य में व्यापक क्रियान्वयन के लिए मॉडल के रूप में देखी जा रहीं हैं। इन परियोजनाओं से प्राप्त अनुभव के आधार पर अन्य जिलों में भी सौर ऊर्जा कार्य को गति दी जा सकेगी। प्रधानमंत्री कुसुम सी-2 के तहत कृषि फीडरों के सोलराइजेशन से विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक सुधार होने की उम्मीद है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र को रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के कारण डिस्कॉम पर उच्च सब्सिडी भार रहता है। स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा उत्पादन से पावर अनुरक्षण लागत घट सकती है और दिन के समय महंगी बिजली खरीदने की आवश्यकता कम हो सकती है।

राष्ट्रीय प्रस्तावना की मासिक बैठक संपन्न, विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

बैठक को सम्बोधित करते राष्ट्रीय प्रस्तावना के संस्थापक संजीव श्रीवास्तव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह की एक महत्वपूर्ण बैठक मल्लावां कस्बे में आयोजित हुई जिसका संयोजकत्व मल्लावां प्रतिनिधि जितेंद्र पाठक ने किया! इस अवसर पर संस्था के संरक्षक/ संस्थापक के प्रेरणा स्वरूप बातें करते हुए कहा कि जीवन में निष्पक्षता आध्यात्म ईमानदारी लगन का धारण करते हुए अपने कर्तव्य को आगे बढ़ते रहना चाहिए और इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए समाचार पत्र के प्रधान संपादक हरिनाथ सिंह ने भी कहा कि पत्रकार को निष्पक्ष होकर अपना कार्य करना चाहिए इस बैठक में विशेष अतिथि के रूप में योग्य आचार्य आधार रमेश चंद्र मिश्र ने भी सभी को सुभाशीष प्रदान किया! कार्यक्रम का संचालन कर रहे स्टेट कोऑर्डिनेटर विपिन सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किया! जिला प्रतिनिधि दुर्गेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय प्रस्तावना जिस तरह अपनी पहुंच बना रहा है वह अब जल्द ही वैश्विक पटेल पर मजबूती के साथ दिखाई देगा! वर्तमान समय में सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर राष्ट्रीय प्रस्तावना उपलब्ध है! कार्यक्रम में आयोजन जितेंद्र पाठक ने सभी का माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और तिलक लगाकर उन्होंने एक भेट भी प्रदान की! इस सनातनी परंपरा का निर्वहन करने के लिए राष्ट्रीय प्रस्तावना प्रबंधन तंत्र के द्वारा जितेंद्र पाठक को आशीर्वचन प्रदान किया गया! इस अवसर पर मुख्य रूप से विज्ञापन प्रभारी दीपक गुप्ता, पिहानी से सुनीत कुमार गुप्ता, समाजसेवी चंदगी राम संजीव पाठक, आकाश ओमर निक्की पदम कुमार पाठक हरपाल सिंह रवींद्र शुक्ला के अलावा राष्ट्रीय प्रस्तावना के समस्त पदाधिकारी मौजूद थे! गौर तलब है कि राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह इस समय अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बहुत ही ध्यान दे रहा है यह परंपरागत बैठक वर्ष भर अपने तय कस्बा या तहसील स्तर पर की जाती रहेगी !

पंचकोष का सिद्धांत विषयक व्याख्यान हुआ सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सीएसएन हीरक जयंती समारोह चौथे दिन की गतिविधियों में अकादमिक व्याख्यानमाला के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्व० डी.पी. कटियार स्मृति पंचकोष का सिद्धांत विषयक व्याख्यान मंगलवार को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान का प्रायोजन नगर के वरिष्ठ चिकित्सक 'विनय कटियार ने किया। व्याख्यान का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती

प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद डॉ० अशोक वाजपेयी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को रोजगार के साथ संस्कार की भी शिक्षा आवश्यक है। युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ जीवन में संयम और अनुशासन भी सीखना चाहिए। अनुशासित और संस्कारित युवा ही नए भारत का निर्माण करेंगे। आनंद और स्वास्थ्य लाभ के लिए पंचकोषों में समन्वय आवश्यक है। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो जयशंकर पांडेय ने कहा कि योग और वेदांत दर्शन में अन्नमयकोष प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष व आनंदमय कोष के द्वारा भौतिक शरीर से सूक्ष्म आत्मा तक यात्रा की बात की गई है। विशिष्ट वक्ता जवाहरलाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाराबंकी के प्राचार्य प्रो सीताराम सिंह ने कहा कि पंचकोषों के बीच उचित समन्वय व संतुलन से ही आत्मा से परमात्मा व सुख से आनंद की उच्च स्थिति तक पहुंचा जा सकता है। इस अवसर पर प्राध्यापक प्रो० मानव कुमार सिंह ने भी अपना विचार व्यक्त किया। आरंभ में प्राचार्य प्रो० कौशलेंद्र कुमार सिंह ने आगत अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर के सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो० विनयशील व आभार प्रदर्शन प्राध्यापक डॉक्टर सरिता वर्मा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य प्रो० बी.डी. शुक्ला, आलोक टंडन, पारुल दीक्षित, अनुज मिश्रा सहित सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं व प्राध्यापक उपस्थित रहे।

क्रीड़ा प्रतियोगिता- बाबू मोहनलाल वर्मा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज साहिल-11 हरदोई व टीचर्स क्रिकेट क्लब हरदोई के मध्य रोमांचक मैच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिल 11 ने निर्धारित 10 ओवर में 118 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जवाब में उतरी टीचर्स क्लब हरदोई की पूरी टीम 97 रन पर ऑल आउट हो गई। इस प्रकार साहिल 11 ने यह मैच 21 रन से जीत लिया। मैच में टीचर्स क्लब की ओर से शानदार 82 रन बनाने वाले रितेश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। प्राध्यापक कुश कुमार मिश्रा, मिथिलेश सिंह, डॉ० सचिन सिंह एवं मणिपाल सिंह ने आयोजन में विशेष सहयोग दिया। बैडमिंटन बालिका वर्ग फाइनल, बैडमिंटन बालिका वर्ग सिंगल में कुल 18 छात्राओं ने भाग लिया। अंततः फाइनल जीडीसी की दो खिलाड़ियों अतिया व शिवांगी पांडे के मध्य खेला गया जिसमें शिवांगी पांडे ने 15-9 से विजय हासिल कर बालिका एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। बैडमिंटन बालिका डबल्स- इस वर्ग में कुल 12 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें फइनल मुकाबला जीडीसी की अतिया एंड शिवांगी पांडे तथा जयपुरिया की 7 वर्षीय बालिका आद्रिका एंड कृष्णा मिश्रा के मध्य खेला गया। जिसमें जीडीसी की टीम ने 15.9 से जयपुरिया की टीम को पराजित कर डबल्स का बालिका खिताब जीत लिया।

जिलाधिकारी ने किया कलेक्ट्रेट स्थित राजस्व अभिलेखागार (सी.आर.ए. अनुभाग) का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित राजस्व अभिलेखागार (सी.आर.ए. अनुभाग) का विस्तृत निरीक्षण किया गया, जिसमें उन्होंने पटलवार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की स्थिति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया, जिसमें अमीन वार औसत वसूली, बैंक देय और विविध देय के आंकड़ों का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए वसूली की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कर्मचारी हितों को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने एक वर्ष से लंबित पेंशन प्रकरणों और विद्युत देय कर्मचारियों की पदोन्नति संबंधी मामलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने विभागीय कार्यवाहियों की अद्यतन स्थिति और ऑडिट आपत्तियों के समयबद्ध समाधान हेतु संबंधित सहायकों को निर्देशित किया। कार्यालय की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने पत्रावलियों के सुव्यवस्थित रखरखाव और अनुभाग में उच्च स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने पर विशेष बल दिया, ताकि शासकीय कार्यों का निष्पादन सुगमता और पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिहं, अतिरिक्त मजिस्टेऊट अरूणिमा श्रीवास्तव, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने जन सनुवाई में सुनी 49 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान

जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 49 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्टेऊट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

विवाद में दबंगों ने एक विधवा महिला और उसकी बहू के साथ मारपीट की

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाने के बेहटा मुड़िया में शौचालय निर्माण को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक विधवा महिला और उसकी बहू के साथ मारपीट की। पीड़िता रामवती का आरोप है कि राजेश सिंह और धर्मेंद्र सिंह ने उन्हें रास्ते में रोककर बाल पकड़कर पीटा और बाद में घर में घुसकर बहू रुचि पर भी हमला किया। गाँव वालों के बीच.बचाव के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।पुलिस अधीक्षक के आदेशक पर अरवल थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

आपसी रंजिश के चलते लाठी-डण्डो से पीटा

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पलिया में आपसी रंजिश के चलते रानू, सोनू, समेत चार लोगों ने घर के बाहर बैठे शैलेन्द्र सिंह को गालियां दीं और लाठी-डंडों से जमकर पीटा। शोर मचने पर चार लोगों जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

युवती को भगाने का मामला हुआ दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र में एक निवासी 19 वर्षीय युवती को गांव के निवासी ध्रुव द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पीड़ित पिता के अनुसार युवती घर से नकदी और जेवरात भी साथ ले गई है। पुलिस ने आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में चली गई किसान की जान

अरवल (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्थानीय थाना क्षेत्र के श्रीमऊ-कुसुमखोर मार्ग पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय किसान चंद्र प्रकाश की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम जिगनी चौंगवा निवासी चंद्र प्रकाश अपनी बाइक से श्रीमऊ बाजार से लौट रहे थे। तभी देवकली तिराहे के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल चंद्र प्रकाश को परिजन निजी वाहन से अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में भदार के पास उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी, चार बेटियों और दो बेटों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही अरवल थानाध्यक्ष अनिल सिंह पुलिस बल के साथ मौके

पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस फरार अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

काली पट्टी बाँधकर टी०ई०टी० का विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देश एवं उ०प्र०प्रा० शिक्षक संघ के आवाहन पर टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय/ प्रान्तीय कोषाध्यक्ष आदरणीय शिवशंकर पांडेय जी के नेतृत्व में जनपद के शिक्षक टी०ई०टी० के खिलाफ चलाए जा रहे आन्दोलन में प्रतिभाग कर रहे हैं। आन्दोलन का जनपद में व्यापक असर दिखाई पद रहा है। मंगलवार को भी जनपद के अधिकतर विद्यालयों में शिक्षकों ने काली पट्टी बाँधकर शिक्षण कार्य किया। वही बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी कर रहे बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों ने भी काली पट्टी बाँधकर आन्दोलन में भागीदारी की। इस मौके पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने जनपद के कई विद्यालयों में पहुँच कर शिक्षकों को जागरूक करते हुए कहा कि यह लड़ाई शिक्षकों की आजीविका की लड़ाई है। इस लड़ाई में शिक्षकों को आपसी मतभेद भुलाकर साथ एक साथ आना होगा। जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने कहा कि सड़कों पर शिक्षकों के प्रति सहानुभूति दर्शाने वाले सत्ता पक्ष के जिम्मेदारों द्वारा संसद में शिक्षक विरोधी बयानों से शिक्षक समुदाय आक्रोशित है। आन्दोलन के अगले चरण में आगामी 26 फरवरी को टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर विशाल धरना होगा जिसमें जनपद के भारी संख्या में शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा तथा माव प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जाएगा।

पिहानी से जाते समय ऑटो पलटा महिला की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड पिहानी से जाते समय अय्यारी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में ऑटो पलटने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान गुड्डी (46) पत्नी चौधरी, निवासी एलिमपुर अंडौवा के रूप में हुई है। हादसा अय्यारी के पास हुआ जो थाना मझिला क्षेत्र में आता है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिहानी से जाते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से ऑटो सड़क पर पलट गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल गुड्डी को संभलने का मौका भी नहीं मिला और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची आवश्यक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।मौके पर ऑटो चालक ऑटो लेकर फरार हो गया। मृतका अपने पीछे दो बेटों को छोड़ गई है। अचानक हुई इस त्रासदी से परिवार में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता व आवश्यक मदद दिलाए जाने की मांग की है।

दुकान के ऊपर कमरे में युवक ने फाँसी लगाकर खुदकुशी की, परिजनों में कोहराम मचा

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला उधरनपुर में मंगलवार को शाम ०5:00 बजे एक इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी ने दुकान की छत के ऊपर फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अस्पताल की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की तैयारी कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला उधरनपुर निवासी वरुण त्रिवेदी उर्फ ज्ञानू (26) पुत्र विजय प्रकाश त्रिवेदी की उधरनपुर में नवीन मिश्रा की दुकानों में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। मंगलवार की शाम को वरुण त्रिवेदी उर्फ ज्ञानू दुकान के ऊपर बने कमरे में चला गया और फाँसी पर लटक गया। काफी देर जब नीचे नहीं आया तो ऊपर जाकर देखा गया तो ज्ञानू लटका हुआ था। तत्काल ज्ञानू को उतार कर सीएचसी शाहबाद लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ज्ञानू अविवाहित था और उसके पिता कैंसर से पीड़ित है जिनका इलाज करवा कर अभी वह दिल्ली से वापस लौटा था और उसके बाद आज उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

जिला ग्रामोद्योग विभाग द्वारा किया गया एक दिवसीय कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है कि जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, द्वारा मुख्य अतिथि विधायका अल्का सिंह अर्कवंशी व अमित गुप्ता, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सण्डीला द्वारा विकास खण्ड-सण्डीला के मीटिंगहाल में एस0सी0एस0पी0 जागरूकता कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर जागरूकता शिविर का शुभ आरम्भ किया गया। कार्यक्रम मे अधोहस्ताक्षरी द्वारा विभाग में संचालित सभी योजनाओं से सम्बन्धित समस्त जानकारी दी गयी व सभी प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। जागरूकता शिविर में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, हरदोई के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

शिक्षा के मंदिर में छात्राओं से अश्लीलता के आरोप में शिक्षक निलंबित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिले से गुरु और शिष्य के रिश्तों को कलंकित करने वाली एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। जहां एक सरकारी कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय के इंचार्ज शिक्षक पर छात्राओं ने ऐसे गंभीर आरोप लगाए हैं, जिन्हें सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए। फिलहाल आरोपी शिक्षक योगेश कुमार को निलंबित कर दिया गया!

मामले का खुलासा तब हुआ जब दो सगी बहनों ने अपने पिता को स्कूल में हो रही दरिंदगी की जानकारी दी। पिता की शिकायत के अनुसार शिक्षक योगेश कुमार छात्राओं से पूछता था कि नहाकर आई हो? और फिर उनसे चुम्मा मांगता था। इस शिकायत के बाद जब खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच कीए तो स्कूल की अन्य छात्राओं ने भी अपनी आपबीती सुनाई।

महिला सहायक अध्यापक की मौजूदगी में जब छात्राओं के बयान दर्ज किए गए, तो शिक्षक की काली करतूतें सामने आईं। कक्षा आठ की छात्रा का कहना है कि सर ने मुझे क्लास में सबके सामने गोद में बैठाकर बैड टच किया। इसके बाद कक्षा छः की छात्रा ने बताया कि सर मेरी कमर पकड़कर दबाते थे। वही अन्य छात्राओं ने बताया कि शिक्षक अक्सर उन्हें बैड टच (गलत तरीके से छूना) करता था और अश्लील भाषा का प्रयोग करता था। जांच में दोषी पाए जाने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आरोपी शिक्षक योगेश कुमार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। मामले की गहराई से छानबीन के लिए बिलग्राम और पिहानी के खंड शिक्षा अधिकारियों की एक स्पेशल टीम बनाई गई है। प्रभारी बीएसए प्रभाष कुंवर श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में ऐसी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रारंभिक जांच के आधार पर शिक्षक को दोषी मानकर कार्रवाई की गई है।

लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्राली खाई में पलटी, लकड़ी कारोबारी की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मृतक रफीक की फाइल फोटो

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के टुमुरकी मार्ग पर रेभा मुरादपुर गांव के पास मंगलवार को सुबह ०4:00 बजे एक तेज रफ्तार लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई जिससे लकड़ी में दबकर लकड़ी कारोबारी की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया । पुलिस ने शो को पोस्टमार्टम कराया। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला बरुआ बाजार निवासी रफीक 55 वर्ष पुत्र मंजूर सुबह ०4:00 बजे ट्रैक्टर ट्राली से लकड़ी लेकर ईट भट्टे पर जा रहा था। रेभा मुरादपुर के पास ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित हो गई और खाई में पलट गई जिससे लकड़ी में दबकर रफीक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पाकर मोहल्ले की भारी भीड़ सीएचसी शाहबाद में एकत्रित हो गई। अस्पताल की पीआई सूचना पर जामा मस्जिद चौकी प्रभारी अनिल सिंह सीएचसी पहुंचे । लेकिन परिजन पोस्टमार्टम करना नहीं चाहते थे। आपसी सहमति से परिजन शव को लेकर घर चले गए लेकिन उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक पर किया जानलेवा हमला

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल के ग्राम टिलिया घटवासा में बोरिंग को लेकर चल रही पुरानी रंजिश में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित मौजीलाल यादव ने गांव के ही कन्नौजी, फौजी समेत चार लोगों पर अपने बेटे अबनीश को लाठी-डंडों से पीटने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दबंगो ने एक ही परिवार के तीन लोगों पर किया हमला

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ग्राम शेखापुर नगरिया में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने एक ही परिवार के तीन लोगों पर हमला कर दिया। अरुण कुमार पाठक का आरोप है कि गांव के ही नितिन यादव समेत तीन लोग ने उन्हें, उनकी पत्नी श्याम्बती और बेटे दीपू को रास्ते में रोककर ईंट-पत्थरों से जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

विरोध करना अपराध नहीं है

नयी दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के शर्ट उतार कर प्रदर्शन करने से भाजपा ने देश में ऐसा सियासी बवाल खड़ा किया मानो लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन करना कोई बड़ा गुनाह है। अब इस बात को देखकर हैरानी भी नहीं होती कि भाजपा के साथ-साथ कई स्वयंभू बड़े पत्रकारों ने भी इस प्रदर्शन पर कांग्रेस को नसीहतें देना शुरु कर दिया कि विरोध का ये कोई तरीका नहीं होता। इन पत्रकारों ने शायद अब आईने में अपना चेहरा देखना ही बंद कर दिया है, क्योंकि देखेंगे तो असलियत दिखाई पड़ेगी कि मोदी सरकार के 12 बरसों में एक से बढ़कर एक गलत फैसले पूरी तरह सोच-समझ कर लिए गए, जिनसे आम जनता की जान पर बन आई, लेकिन तब इनके मुंह से ये नहीं निकला कि सत्ता चलाने का ये कोई तरीका नहीं है। नोटबंदी, लॉकडाउन, सांसदों का निलंबन ऐसे बड़े मामले तो छोड़ ही दीजिए, जनता के टैक्स पर प्रधानमंत्री के मन की बात को तमाम भाजपाई मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक बड़ी स्क्रीन लगाकर सुनते हैं, या प्रधानमंत्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के लिए जितना तामझाम करते हैं, उस पर क्या पत्रकारों ने लगातार सवाल उठाए। अगर पत्रकार ईमानदारी से रोजाना सरकार को गलत बात पर टोकते रहे, उससे जुड़े कार्यक्रम करते रहें, तो मजाल है कि कोई सरकार इतनी मनमानी करे, जितनी मोदी सरकार करती है। लेकिन 2014 के बाद एक अलग ही चलन बन गया है कि सारी जिम्मेदारी विपक्ष पर डाल दी जाती है, सवाल भी विपक्ष से ही होते हैं। पिछले कार्यकाल में अधीर रंजन चौधरी नेता प्रतिपक्ष थे, तो उनसे उतने सवाल नहीं होते थे, वो कब संसद में आए या संसद सत्र के दौरान कहां रहे, इसकी भी जानकारी पत्रकारों को शायद ही होती होगी। लेकिन राहुल गांधी जब से नेता प्रतिपक्ष बने हैं, सवालों के तीर उनकी तरफ ही रहते हैं। सत्र में व्यवधान हो तो उसके जिम्मेदार राहुल गांधी हैं, प्रधानमंत्री संसद न आएं तो उसके भी जिम्मेदार राहुल गांधी हैं और अगर सत्र के बीच में वो दो-चार दिन के लिए राहुल गांधी कहीं चले जाएं, तो उन्हें पार्ट टाइम राजनेता कहने में गुरेज नहीं होता। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से कभी कोई सवाल नहीं होता और अब तो पत्रकार ने ये पूछना भी जरूरी नहीं समझा कि आप हर महीने आकर अपने मन की बात सुनाते हैं, तो कभी खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं करते, ताकि हम भी जनता से जुड़े सवाल सीधे आपके सामने रख सकें। बहरहाल, आज का दौर ऐसा हो चुका है कि अब सरकार के साथ-साथ पत्रकारों से निष्पक्ष रहने की उम्मीद भी खत्म हो जाती है। जहां तक सवाल युवा कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन का है, तो लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध अधिकार ही होता है, अपराध नहीं होता। 2010 में जब दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल आयोजित हुए थे, तब भाजपा ने भी विरोध किया था। तब भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही था, तो क्या उसमें देश की बदनामी नहीं हुई होगी। असल में भाजपा को देश की नहीं अपनी बदनामी का डर सता रहा है। क्योंकि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड लिखी जो टी शर्ट्स दिखाकर विरोध किया, उसमें संदेश दूर-दूर तक पहुंच गया कि हमारे प्रधानमंत्री खुद को या अपने मित्रों के बचाने के लिए किसी भी हद तक झुक कर समझौता कर सकते हैं। वैसे राहुल गांधी यह बात पहले ही संसद में कह चुके हैं और इस आरोप को लगाने की वजह खुद मोदी सरकार ने ही दी है। कांग्रेस उनसे बार-बार पूछ रही है कि आखिर व्यापार सौदे में डोनाल्ड ट्रंप की सारी शर्तों को मानने की कौन सी मजबूरी है। ट्रंप ने केवल भारत पर ही नहीं दुनिया के कई देशों पर टैरिफ थोपे हैं, लेकिन चीन जैसे शक्तिशाली देश से लेकर ब्राजील जैसे विकासशील देश ने अपनी शर्तें खुलकर ट्रंप के सामने रखीं और बेजा बातों को मानने से इंकार कर दिया। नरेन्द्र मोदी ऐसा क्यों नहीं कर पाए, किसलिए रूस जैसे पुराने मित्र से तेल खरीदना बंद किया, पांच सौ बिलियन डॉलर का सामान अमेरिका से खरीदने की शर्त क्यों मान ली।

नोटबंदी, लॉकडाउन, सांसदों का निलंबन ऐसे बड़े मामले तो छोड़ ही दीजिए, जनता के टैक्स पर प्रधानमंत्री के मन की बात को तमाम भाजपाई मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक बड़ी स्क्रीन लगाकर सुनते हैं, या प्रधानमंत्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के लिए जितना तामझाम करते हैं, उस पर क्या पत्रकारों ने लगातार सवाल उठाए। अगर पत्रकार ईमानदारी से रोजाना सरकार को गलत बात पर टोकते रहे, उससे जुड़े कार्यक्रम करते रहें, तो मजाल है कि कोई सरकार इतनी मनमानी करे, जितनी मोदी सरकार करती है। लेकिन 2014 के बाद एक अलग ही चलन बन गया है कि सारी जिम्मेदारी विपक्ष पर डाल दी जाती है, सवाल भी विपक्ष से ही होते हैं।

बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारने के संकेत

नित्य चक्रवर्ती

इस समय, भारत सरकार के पास नई बीएनपी सरकार के साथ पूरी तरह से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और प्रधानमंत्री रहमान सबसे अच्छा दांव हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तारिक रहमान के पास शेख हसीना को भारत से ढाका वापस भेजने के मुद्दे को न्यायाधिकरण और फिर अदलत के आदेश के मुताबिक, और चुनाव प्रचार के दौरान बीएनपी के वादे के मुताबिक, जोर-शोर से उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है। बीएनपी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात बहुत जोश में भरी जमात-ए-इस्लामी है, जो दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और उसके गठबंधन में 77 सीटें हैं और जो प्रधानमंत्री तारिक के भारत के पक्ष में उठाए गए हर कदम का इस्तेमाल यह प्रचार करने के लिए करेगी कि तारिक हसीना के रास्ते पर जा रहे हैं। भारत उन्हें बांग्लादेश के हितों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। इसलिए तारिक के हाथ बंधे हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को व्यक्तिगत संदेश भेजकर सही कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि आपकी जीत बांग्लादेश के लोगों के आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे और विश्वास का सुबूत है और देश को शांति, स्थिरता और खुशहाली के रास्ते पर आगे ले जाने के आपकी दृष्टि के लिए उनका जनादेश है। यह जनादेश की वैधता और दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने में बीएनपी की अगुवाई वाली सरकार के नए प्रधान मंत्री की भूमिका पर बांग्लादेशियों के भरोसे का एक तरह से समर्थन है। यह साफ है कि इस समय, भारत सरकार के पास नई बीएनपी सरकार के साथ पूरी तरह से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और प्रधानमंत्री रहमान सबसे अच्छा दांव हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तारिक रहमान के पास शेख हसीना को भारत से ढाका वापस भेजने के मुद्दे को न्यायाधिकरण और फिर अदलत के आदेश के मुताबिक, और चुनाव प्रचार के दौरान बीएनपी के वादे के मुताबिक, जोर-शोर से उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है। बीएनपी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात बहुत जोश में भरी जमात-ए-इस्लामी है, जो दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और उसके गठबंधन में 77 सीटें हैं और जो प्रधानमंत्री तारिक के भारत के पक्ष में उठाए गए हर कदम का इस्तेमाल यह प्रचार करने के लिए करेगी कि तारिक हसीना के रास्ते पर जा रहे हैं। भारत उन्हें बांग्लादेश के हितों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। इसलिए तारिक के हाथ बंधे हुए हैं। अगर वह भारत के प्रति दोस्ताना रवैया भी चाहते हैं, तो उन्हें अपनी बांग्लादेश वफादारी की परीक्षा पास करनी होगी क्योंकि जमात वहां की संसद और बाहर सड़कों पर, दोनों जगह उनकी गर्दन पर सवार है, जो बांग्लादेश की राजनीति में सरकारों की किस्मत तय करती है। भारतीय विदेश मंत्रालय में अनुभवी राजनयिक हैं। इसलिए यह देखकर अच्छा लगा कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को ही तारिक रहमान के शपथ ग्रहण के दिन जमात नेता शफीकुर रहमान से बहुत चुपचाप मुलाकात की। यह सबसे अहम मीटिंग थी क्योंकि भारत के विदेश सचिव उस आदमी को जानते थे जो भारत-बांग्लादेश रिश्तों का रास्ता तय करने में असली शक्ति का इस्तेमाल करेगा और इसलिए उसे लाड़-प्यार करना होगा। यह पता नहीं है कि जमात नेता ने क्या प्रतिक्रिया दी, लेकिन भारत के अधिकारियों के लिए, जमात के साथ यह बातचीत राजनयिक प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए अगर भारत सच में द्विपक्षीय रिश्तों में जल्दी सुधार चाहता है। आखिर बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए जमात की भूमिका का इतना महत्व क्यों है? यह इस बात में अन्तर्निहित है कि 12 फरवरी को बांग्लादेश के सभी सीमावर्ती जिलों में हुए चुनावों में, जमात ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे भारत के गृह मंत्रालय के अधिकारियों, खासकर पूर्वी इलाके के बीएसएफ अधिकारियों में डर पैदा हो गया है। बांग्लादेश के खुलना, राजसाही, तथा रंगपुर जिलों, जो पश्चिम बंगाल से लगते हैं, में जमात ने जीत हासिल की है। जैसे, खुलना में, जमात को 36 में से 25 सीटें मिलीं। इन सीमावर्ती जिलों में बहुत सारे भारत-विरोधी तत्व सक्रिय हैं, जिनमें बागी भी शामिल हैं, जिन्हें बीएनपी-जमात राज के दौरान जमात ने पनाह दी थी। शेख हसीना ने 2009 के बाद इसे रोक दिया। असल में,बाद में जमात को काम करने की इजाजत नहीं दी गई, और उसके विदेशी फंड पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अब सीमावर्ती जिलों पर पूरा कब्जा होने के कारण, जमात के गुंडे तत्वों को खुली छूट मिलेगी, जब तक कि उन्हें ऊपर से रोका न जाए। यह बीएनपी सरकार और जमात नेतृत्व, दोनों स्तरों पर किया गया है। भारत सरकार जमात के साथ करीबी तालमेल रखकर इसे बेहतर तरीके से ठीक कर सकती है। मैं कुछ बातें बताना चाहता हूं जिन पर बिलकुल भी बात नहीं होती। बांग्लादेश संवैधानिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है जो इस्लाम को राज्य का धर्म भी मानता है। 18 करोड़ आबादी में से लगभग 17 करोड़ मुस्लिम हैं और लगभग एक करोड़ अल्पसंख्यक, जिनमें ज्यादातर हिंदू हैं। दूसरे इस्लामिक देशों की तरह, बांग्लादेश में हमेशा कट्टरपंथियों का एक ग्रुप रहता है। जमात में कई समझदार लोग हैं जो अल्पसंख्यकों के प्रति समझदार हैं। साथ ही, कुछ ऐसे ग्रुप भी हैं जो कट्टर हिंदू विरोधी और भारत विरोधी हैं। भारत में, हमारा एक धर्मनिरपेक्ष संविधान है। कोई सरकारी धर्म नहीं है, लेकिन फिर भी आरएसएस और बजरंग दल से जुड़े भाजपा के कुछ लोग मुसलमानों के कट्टर विरोधी हैं, जबकि भारत की आबादी में मुसलमानों की संख्या 14प्रतिशत से ज्यादा है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने के बाद पिछले अठारह महीनों में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों ने बहुत सारी गलतियां की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान डॉ. यूनुस के द्विपक्षीय वार्ता के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने डॉ. यूनुस से मिलने से बचने के लिए जानबूझकर न्यूयॉर्क संयुक्त राष्ट्र आम सभा में भाग लेने का अपना समय बदल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेशियों को दीमक कहा। इन सभी गलतियों ने बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश में पहले भारत के समर्थक लोग भी भारत-विरोधी हो गए। आखिर में, मोदी सरकार ने बीसीसीआई को बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खेलने से रोकने के फैसले के लिए उकसाया। आईपीएल में भारत-विरोधी भावनाओं को और भड़काया गया। मोदी सरकार को कुछ और समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, भले ही अब अचानक प्रधानमंत्री तारिक को गले लगाने के लिए हद पार कर रहे हैं, जैसा उन्होंने अपने शुरुआती प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में पाकिस्तान के नवाज शरीफ के साथ किया था। बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारना एक लंबा और मुश्किल सफर होगा। भारतीय अधिकारियों को बीएनपी नेता और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक और विपक्षी जमात नेता शफीकुर रहमान दोनों को मनाना होगा साथ ही, भारत को यह पक्का करना चाहिए कि शेख हसीना के प्रत्यार्पण को छोड़कर दूसरे मामलों पर बातचीत रिश्ते सुधारने के लिए सही मायने में शुरू हो। खासकर, आर्थिक मुद्दों पर अब ध्यान देना चाहिए। हसीना मुद्दे में लंबा समय लगेगा और आर्थिक मदद से ठीक होने की प्रक्रिया शुरू करके, भारत हसीना के प्रत्यार्पण के मुद्दे पर सही समाधान के लिए आधार बना सकता है। भारत को बीएनपी और जमात दोनों को यह तरीका अपनाने के लिए मनाना होगा।

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

कैलाश चन्द्र

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है। पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है। वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फ़ेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं।

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

जिलाधिकारी ने टिकरी नागी गांव में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। तहसील मंझनपुर के विकास खण्ड सरसवां स्थित ग्राम टिकरी नागी में जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने निरीक्षण कर विकास कार्यों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने पर जोर दिया। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव ने अवगत कराया कि गांव में सड़क निर्माण कार्य सांसद निधि से कराया जा रहा है, जिसमें कुछ कार्य अभी शेष है। इस पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक से दूरभाष पर वार्ता कर शेष कार्य तत्काल प्रारम्भ कराकर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन परिसर में पशु बंधे पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उप जिलाधिकारी मंझनपुर को टीम भेजकर पंचायत भवन में हुए अवैध कब्जे को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। ग्राम में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी प्रदीप कुमार मौर्य को सफाई कर्मियों की टीम लगाकर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही गांव में स्थापित सभी हैंडपंपों की क्रियाशीलता की जांच कराने तथा जल-जमाव की समस्या के समाधान के लिए नाली निर्माण सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने को कहा। जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जिले कई ग्रामों में अभी तक नहीं पहुंच रहा पानी

बांदा। केन्द्र की मोदी सरकारी ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजना जलजीवन मिशन को चलाया था। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए करोड़ों रूपये योजना व भारी-भरकम राशि से योजना के प्रसार में खर्च होने के बाद भी योजना पूरी तरह से अमली जामा नहीं पहन पा रही है। हालात को यह हैं कि जनपद के अधिकतर गांवों में लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। इस योजना में हुऐ घोटाले की सारी पोल ग्रामीणों के द्वारा लगातार खोली जा रही है। महुआ ब्लाक के ग्राम अजीतपारा में भी इस योजना में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। अभी लोगों इस योजना से पानी की एक बूंद तक मयस्सर नहीं हुयी है। बताते चलें कि केंद्र सरकार की योजना हर घर नल और जल मिशन की उड़ाई गईं धज्जिया उड़ाई जा रही है। आपको बताते चलें की जनपद बाँदा के बिसंडा रोड ग्रामपंचायत अजीतपारा में इन दिनों पेयजल संकट मंडरा रहा है और गांव में लगे नल पानी तो नही दे रहें लेकिन हवा जरूर दे रहें है ग्रामीणों ने बताया की गावों में नल लगभग टेढ़ शाल पहले लग गए थे और इन टेढ़ साल में एक बार भी पानी पानी नही आया एक दिन आया ओ भी नाम मात्र का नलों में लगी टोटीया चोर चुरा लें।

एनएसएस शिविर के चौथे दिन छात्राओं ने चलाया सामुदायिक जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाँदा के राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी सबीहा रहमानी, जयंती सिंह, नीतू सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय शिविर जो नगर की पिछड़ी व दलित बस्ती बारी मोहाल, दरी मोहाल और अहीर मोहल्ले में लगाया गया है, इस शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवी शिवरार्थी छात्राओं ने बस्ती में जाकर सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाया । आज का विषय थि,ष्पीसी पीएनडीटी एक्ट एवं कौशल विकास योजना का लाभ । इस विषय पर डाक्टर सबीहा रहमानी, एवं डाक्टर नीतू सिंह ने स्वयं सेवी छात्राओं और बस्ती के लोगों को जागरूक करने के साथ डरक्टर सबीहा रहमानी ने कहा लड़का-लड़की एक समान, दोनों हैं समाज का मान इस भाव के साथ यह प्रण किया कि पुत्री के जन्म को पुत्र जन्म के समान स्वीकार करेंगे । बेटी है तो कल है, सृष्टि संचरण उसी के दम पर है । यह उदगार उन्होंने द्वितीय सत्र में शिविर के विश्राम स्थल पर उपर्युक्त विषय पर संगोष्ठी का आयोजन के समय अभिव्यक्त किए ।

मुख्य वक्ता के रुप में जनशिक्षण संस्थान के निदेशक मोहम्मद सलीम और सौम्य खरे उपस्थित रहे । उन्होंने महिला सशक्तीकरण हेतु आर्थिक आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री की कौशल विकास योजना पर सविस्तार प्रकाश डाला । इस अवसर डा. राम नरेश पाल, नीलम मिश्रा आज की टोली नायक कल्पना, शैलजा, पूनम, रिमझिम, निशा, रजनी, नेहा, लक्ष्मी, गायत्री, आफरीन, मीनाक्षी, प्रीति, अरबिया, श्रद्धा , पूर्णिमा, मनीषा, अदीना, खदीजा ,आकांक्षा सविता, रोशनी ,पायल, रुखसाना, कोमल सिंह आदि उपस्थित रही।

टॉप टेन अभिक्तों के खिलाफ करें कड़ी कार्यवाही: एसपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एसपी ने अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों के साथ की अपराध समीक्षा बैठक
- शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बांदा। शासन की जीरो टॉलरेन्स की नीति के क्रम में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाए जाने तथा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आगामी होली, नवरात्रि, ईद-उल-फितर आदि त्योहारों को सकुशल संपन्न कराये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा आज जनपद के राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की गई । बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा सतर्क रहकर कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए गए । अपराधों की समीक्षा में सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/शाखा प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होने कहा कि इस समय बाजारों में खरीददारी के लिए काफी भीड़ रहेगी विशेषकर सर्राफा, बर्तन और कपड़ों की दुकानों पर महिलाएं बड़ी संख्या में खरीददारी करने जाती हैं, इसके दृष्टिगत बाजारों में महिला पुलिसकर्मियों सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाया जाए साथ ही सादे वस्त्रों में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाए । उन्होने संगठित अपराधों तथा गिरोहबन्द अपराधों पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश देते हुए आदेशित किया कि ऐसे अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट, गुण्डा एक्ट के तहत प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही की जाए साथ ही लगातार अपराधों में शामिल अभियुक्तों की हिस्ट्रीशीट खोली जाए तथा जिला बदर की कार्यवाही की जाए ।समीक्षा बैठक में चोरी, नकबजनी तथा टप्पेबाजी जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु नियमित पैदल गस्त, वाहन चेकिंग बैंक चेकिंग के निर्देश दिए गए । उन्होने निर्देशित किया कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में रात्रि मोबाइल पार्टी निरन्तर भ्रमणशील रहें साथ ही सूनसान स्थानों पर पीआरवी वाहनों का स्टॉप प्वाइंट बनाया जाए । लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा के क्रम में उन्होने निर्देशित किया कि लम्बित विवेचनाओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल के विवेचकों का नियमित रुप से अर्दली रुम कर यह सुनिश्चित करें कि विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण हो । समीक्षा बैठक में उन्होने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को प्रभावी जनसुनवाई के निर्देश दिए और कहा कि शिकायतों का निस्तारण भौतिक होना चाहिए तथा शिकायतकतर्ता की संतुष्टि ही निस्तारण का आधार हो । थाने पर आने वाले लोगों से पुलिस का व्यवहार विनम्र हो तथा किसी से भी किसी प्रकार की अभद्रता क्षम्य नहीं होगी । उन्होने निर्देशित किया कि थाना स्तर या मुख्यालय स्तर पर प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों में जाँचकर्ता अधिकारी 24 घण्टे के भीतर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर स्थिति का भौतिक निरीक्षण एवं निस्तारण सुनिश्चित करें । प्रभारी जन शिकायत प्रकोष्ठ नियमित रुप से इसकी निगरानी करें कि शिकायतों का प्रभावी निस्तारण हो । उन्होने प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना तथा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम शासन की प्राथमिकताओं में से एक है, साइबर अपराधों पर नियंत्रण लगाये जाने हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए । शासन की मंशा के अनुरुप उन्होने सभी थानों पर पृथक रुप से प्रशिक्षण प्राप्त उपनिरीक्षकों और आरक्षियों/महिला आरक्षियों को नियुक्त कर जनता की शिकायत सुनी जाय । पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण बांदा पुलिस की पहली प्राथमिकता है, सभी थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए साथ ही महिला संबंधी अपराधों में प्रभावी अभियोजन एवं पैरवी के माध्यम से अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए । उन्होने महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बृहद स्तर पर जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। अपराध समीक्षा बैठक से पूर्व पुलिस अधीक्षक द्वारा सैनिक सम्मेलन कर पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुन उनके निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया उन्होने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि बैरक तथा मेस की मरम्मत की यदि आवश्यकता हो तो उसे ठीक कराएँ सुनिश्चित करें कि मेस ठीक तरह से संचालित हो । इस दौरान उन्होने कहा कि किसी भी पुलिस कर्मी कार्य सरकार से संबंधित या कोई भी व्यक्तिगत समस्या हो तो पुलिसकर्मी उनसे व्यक्तिगत रुप से मिल सकते हैं तथा किसी भी समय काल कर सकते हैं । पुलिसकर्मियों की समस्यायों का हर संभव निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा ।

गुटखा की काला बाजारी पर रोक लगाने की मांग

अतर्रा(बांदा)। नगर क्षेत्र में सिगरेट, गुटखा, पान मसाला एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। इस संबंध में लोगों ने पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी ध्यान आकृष्ट कराते हुए को गुटका के थोक व्यापारी एवं एजेंसी धरको के विरुद्ध तत्काल जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बड़े थोक एवं एजेंसी धारक व्यापारियों द्वारा राजश्री ,कमला पसंद, केसर गुटका पान मसाला पुराने एमआरपी एवं पुराने प्रिंट वाले माल को छिपाकर संभावित नए बढ़े हुए दामों पर ब्लैक में बेच थोक व्यापारी मालामाल हो रहे है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना-ओटी-19-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं: ओटी-19-2025, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर में 5 स्टेशन की स्टेबलिंग लाइन के 25 केवी, 25 हर्ट्ज, सिंगल फेज, एसी ओएचई विद्युतीकरण के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 2,32,30,836.20, बयाना राशि: ₹ 2,66,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 06 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय: 17-03-2026 को 15:00 बजे।

नोट: • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण

मुजवि/विद्युत-287 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर यात्रा न करें।

जम्मू और कश्मीर में रेल संपर्क की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

- श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत का जम्मू तक विस्तार
- जम्मू से श्रीनगर की दूरी पांच घंटे से भी कम समय में होगी पूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जम्मू और कश्मीर में रेल कनेक्टिविटी को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर रेलवे ने श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा -श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन विस्तार जम्मू तक कर दिया है। इस इलाके के लोगों की यह लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है, जिससे हज़ारों यात्रियों को तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा भरोसेमंद यात्रा का विकल्प मिल गया हैं। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जम्मू तवी तक विस्तार, दिनांक 01.03.2026 से प्रभावी होगा ।

रेलगाड़ी संख्या 26401 जम्मू तवी - श्रीनगर, रेलगाड़ी संख्या 26402 श्रीनगर - जम्मू तवी, स्टेशनः आगमन, प्रस्थान, नाम, आगमन, प्रस्थान 06:15, जम्मू तवी, 18:50-- 08:08, 08:10, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा, 17:00 17:10 08:28 08:30 रियासी 16:34 16:36 09:56 09:58 बनिहाल 14:58 15:00 11:10- श्रीनगर14:00। लोगों की भारी मांग को देखते हुए उत्तर रेलवे ने अब श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत ट्रेनों का जम्मू तक विस्तार कर दिया है, जिससे जम्मू व कश्मीर घाटी के बीच यात्रियों का आवागमन सुगम होगा । इस विस्तार के साथ, यात्री अब जम्मू और श्रीनगर के बीच पांच घंटे से भी कम समय में यात्रा कर सकते हैं, जो सड़क मार्ग से यात्रा की तुलना में काफी कम है। इस क्षेत्र में सड़क मार्ग से जाने वाले यात्रियों को अक्सर भूस्खलन, भारी बर्फबारी और खराब मौसम की वजह से रुकावटों का सामना करना पड़ता है । वंदे भारत सेवाओं का विस्तार एक भरोसेमंद, हर मौसम का विकल्प देता है जो सुरक्षा, आराम और समय की पाबंदी सुनिश्चित करता है। सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस हैं, जिससे यात्रा न केवल तेज़ बल्कि अधिक सुविधाजनक भी हो जाती है। इस विस्तार से स्थानीय निवासियों को बहुत लाभ होने, पर्यटन को बढ़ावा देने, व्यापार को आसान बनाने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने की उम्मीद है। उधमपुर -श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक (USBRL) प्रोजेक्ट 6 जून 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश को समर्पित किया गया था । इसके लोकार्पण के बाद से ही , वहां के लोगों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों की तरफ से जम्मू को सीधे श्रीनगर से सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत सर्विस के ज़रिए जोड़ने की ज़ोरदार और लगातार मांग थी। यह प्रयास भारत सरकार और इंडियन रेलवे के जम्मू और कश्मीर के आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने और के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लगातार प्रयासों को दर्शाता है।

होली पर्व के दौरान दिल्ली एरिया में प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी रोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी होली पर्व के मद्देनजर रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु, नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हज़रत निज़ामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों पर दिनांक 26.02.2026 से 03.03.2026 तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी रोक लगा दी गई है । हालांकि वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजनों, बीमार और महिला यात्रियों की मदद के लिए स्टेशनों पर आने वाले लोगों को, इन पाबंदियों से छूट दी गई है। स्टेशनों पर प्रवेश केवल निर्धारित प्रवेश द्वारों से होगा और यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे भीड़ से बचने के लिए स्टेशन पर समय से पहुचें।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction Catalogue No./Lot No.	KHNM-CTG
Description of Work	Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
Catalogue Published on	13.02.2026
Auction Start (All Lots)	03.03.2026 at 11:00 hrs.
Auction close Date/Time	03.03.2026 at 11:30 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

S. N.	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	KUNDA HARNAMGANJ	Catg-LKO-KHNM-GMU-74-24-1	KHNM/ PF-1/ 31/ADDL	03.03.2026 at 11:30 hrs.	GMU	

624/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106-सिग/टेंडर/66/2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के एलकेओ-जेडबीडी-एलजीएस खंड में एलजीई ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट के स्थान पर यूएफएसबीआई का प्रावधान।
अनुमानित लागत	रु 14596410.12
निविदा प्रपत्र की कीमता	शून्य
धरोहर राशि	रु 223000.00
कार्य पूरा करने की अवधि	300 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	16.03.2026 15:30 Hrs.
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू० सं०: 106-सिग/टेंडर/66/2025-26 दिनांक: 21.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 608/26

एलबीडी की शानदार लैब ने खींचा यूनिसेफ का ध्यान

- राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के साथ टीम ने किया प्रोजेक्ट शूट, संचालन की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

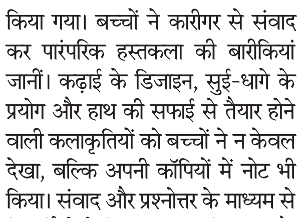

उन्नाव, औरास। उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की लर्निंग बाई डूइंग (ख्रउक) प्रयोगशाला ने एक बार फिर अपनी सृजनात्मकता और उत्कृष्ट संचालन से बाहरी टीम को प्रभावित किया। यूनिसेफ से जुड़ी टीम ने राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशांत दुबे के नेतृत्व में विद्यालय पहुंचकर एलबीडी गतिविधियों का प्रोजेक्ट शूट किया। उनके साथ अनुज सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। विद्यालय के परिवेश, प्रयोगात्मक शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को देखकर टीम ने शिक्षकों को बधाई दी।

विद्यालय में आयोजित गतिविधि 'क्षेत्रीय कारीगरों से सीखें' के अंतर्गत स्थानीय कढ़ाई कारीगर को आमंत्रित किया गया। बच्चों ने कारीगर से संवाद कर पारंपरिक हस्तकला की बारीकियां जानीं। कढ़ाई के डिजाइन, सुई-धागे के प्रयोग और हाथ की सफाई से तैयार होने वाली कलाकृतियों को बच्चों ने न केवल देखा, बल्कि अपनी कॉपियों में नोट भी किया। संवाद और प्रश्नोत्तर के माध्यम से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास और व्यावहारिक समझ का विकास हुआ। मास्टर ट्रेनर प्रशांत दुबे, जो प्रदेश के विभिन्न जनपदों में एलबीडी की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, ने विद्यालय की लैब व्यवस्था, शिक्षकों की तैयारी और बच्चों की सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप हैं, जहां सीखना केवल किताबों तक सीमित न रहकर अनुभव और प्रयोग पर आधारित होता है।

उन्नाव में भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

- दिल्ली में कथित 'नग्न प्रदर्शन' को बताया भारत की छवि धूमिल करने की साजिश, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। दिल्ली में आयोजित वैश्विक 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान युवक कांग्रेस द्वारा किए गए कथित अमर्यादित और नग्न प्रदर्शन के विरोध में जिला भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने मंगलवार को सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया।

शास्त्री प्रतिमा (हरदोई पुल) पर एकत्रित भाजपा एवं महिला मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी शर्म करो', 'कांग्रेस मुर्दाबाद' और 'भारतीय संस्कृति का अपमान बंद करो' जैसे नारे लगाए। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष साधना दीक्षित ने आरोप लगाया कि यह प्रदर्शन राहुल गांधी के निर्देश पर किया गया और इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना है। उन्होंने कहा कि जब देश तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब इस प्रकार की घटनाएं राष्ट्र को अपमानित करने का प्रयास हैं।

जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का पोस्टर लेकर निर्वस्त्र होना उनके वैचारिक पतन का परिचायक है। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर सीधा प्रहार बताते हुए कड़ी निंदा की।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भी कंग्रेस के इस कृत्य को निर्लज्जता की पराकाष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि कंग्रेस का एजेंडा देश के विकास में बाधा डालना और भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को कम करना है।

प्रदर्शन के दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, डीसीडीएफ उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला, महिला मोर्चा पदाधिकारी सुरुचि अग्निहोत्री, पुनीता दीक्षित, मंजू अवस्थी, सविता शुक्ला, जयंती शुक्ला, श्रद्धा बाजपेई, रेनू वर्मा, शोभा पांडे, प्रीति शर्मा, सरिता सिंह, रामलली दीक्षित, एडवोकेट ज्योति तिवारी, पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी, मनोज मिश्रा, विजय द्विवेदी, मनोज निगम, दिनेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, मनीष पाण्डेय, शिवम सिंह, संदीप निगम, संतोष पाल, अनिल सिंह कुरील सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ०रे०-मण्डल-वाणिज्य/उ०रे०
नीलामी सूची सं०/लॉट सं०	20964-SLR-R1-BSB-SBIB-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	20.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.03.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.03.2026 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं०/लॉट सं०	20964-SLR-F1-BSB-SBIB-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	20.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.03.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.03.2026 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं०/लॉट सं०	20904-SLR-R1-BSB-EKNR-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	20.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.03.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.03.2026 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं०/लॉट सं०	20904-SLR-F1-BSB-EKNR-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	20.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.03.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.03.2026 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं०/लॉट सं०	22688-SLR-R1-BSB-MYS-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	20.02.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	10.03.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	10.03.2026 at 12:10 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

No.: C/SLR Leasing contract-2019/KS Date:- 23.02.2026 609/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने की विकास कार्यों की समीक्षा

- आंगनबाड़ी, जल जीवन मिशन से लेकर मेडिकल कॉलेज तक दिए सख्त निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लखीमपुर खीरी पहुंचे। उनके आगमन पर जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अटल सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास परियोजनाओं की विभागवार समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, अमन गिरी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचे। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा के दौरान वर्ष 2024-25 के 131 आंगनबाड़ी केंद्रों को 31 मार्च तक तथा वर्ष 2025-26 के 78 केंद्रों को अप्रैल माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को स्वीकृत परियोजनाओं में नियमानुसार निविदा प्रक्रिया पूरी कर मार्च से कार्य प्रारंभ कराने को कहा। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं में टैंक निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहां शेष कार्य शीघ्र पूरा कर योजनाओं को क्रियाशील बनाया जाए। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रोजेक्ट अलंकार के तहत चयनित विद्यालयों की स्थिति की जानकारी ली गई। मेडिकल कॉलेज के अस्पताल विंग में विद्युत संयोजन संबंधी समस्या के समाधान हेतु कार्यदायी संस्था एवं विद्युत निगम को 15 दिन के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण), बेसिक शिक्षा, कृषि सहित अन्य विभागों की योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम के 'चौगुर्जी मॉडल' की सराहना प्रभारी मंत्री ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में मोहाना एवं करनाली नदी पार बसे गांवों के जीवनस्तर सुधार हेतु जिलाधिकारी की पहल की सराहना की। चौगुर्जी गांव पर आधारित एक लघु चलचित्र भी बैठक में प्रदर्शित किया गया, जिसकी मंत्री ने प्रशंसा की। बजट की उपलब्धियों पर दी जानकारी प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने मीडिया से वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के बजट की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और आधारभूत संरचना के विकास पर केंद्रित है, जिससे प्रदेश में समग्र विकास को गति मिल रही है।

मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट का किया निरीक्षण

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

- व्यवस्थाएं संतोषजनक, प्रशासन की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को जनपद भ्रमण के दौरान कलेक्ट्रेट पहुंचकर विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया और प्रशासनिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस अवसर पर जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, अपर आयुक्त (न्यायिक) देव दीप्ति एवं अपर जिलाधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह मौजूद रहे। संयुक्त कार्यालय से निरीक्षण की शुरुआत करते हुए मंडलायुक्त ने सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सेवानिवृत्ति से संबंधित सभी देयकों का भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाए। न्याय सहायक पटल पर गैंगस्टर एवं मजिस्ट्रियल जांच पंजिका की समीक्षा कर लंबित प्रकरणों की स्थिति जानी। साथ ही ग्राम चौकीदारों के रिक्त पदों की जानकारी ली। वर्ष 2005 के बाद नियुक्त कार्मिकों के पीआरएएन नंबर आवंटन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कोषाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शिविर आयोजित कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री राहत कोष से संबंधित आवेदनों, सेवा पुस्तिकाओं तथा लंबित लेखा आपत्तियों की स्थिति का भी परीक्षण किया गया।

अपर उपजिलाधिकारी न्यायालय से निर्गत आदेशों के अनुपालन रजिस्टर का निरीक्षण कर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अभिलेखागार, माल एवं न्याय अनुभाग में नकल प्रक्रिया तथा लंबित पत्रावलियों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से अग्निशमन यंत्रों के संचालन संबंधी जानकारी भी ली गई।

डीएलआरसी पटल पर एंटी भूमाफिया रजिस्टर एवं भूमि विनिमय प्रकरणों की जांच की गई। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं अस्वीकृत दावों की प्रगति जानी गई। संग्रह अनुभाग में आरसी रजिस्टर का निरीक्षण कर तहसीलदारों को प्रत्येक 15 दिन में समीक्षा करने के निर्देश दिए।

रेल मंडल प्रबंधक लखनऊ मंडल से ट्रेनें बढ़ाने की मांग, व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

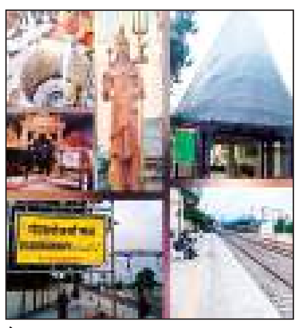

गोला गोकर्णनाथ खीरी। लखनऊ मैलानी बरेली रेलखंड पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने रेल मंडल प्रबंधक, लखनऊ मंडल को संबोधित ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक गोला को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि छोटी लाइन के समय इस रूट पर पर्याप्त ट्रेनों का संचालन होता था, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलती थी। लेकिन अमान परिवर्तन के बाद ट्रेनों की संख्या कम होने से तीर्थ यात्रियों, दिल्ली व अन्य शहरों की ओर जाने वाले मुसाफिरों, व्यापारियों, किसानों, छात्रों और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर अध्यक्ष ने बताया कि गोला गोकर्णनाथ 'छोटी काशी' के नाम से देशभर में प्रसिद्ध है। श्रावण मास में दूर-दराज से प्रतिदिन हजारों कांवड़िए यहां पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इसके बावजूद रेल यात्रा की समुचित व्यवस्था न होने से श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ती है। वर्तमान में गोला से लखनऊ, मैलानी और पीलीभीत के लिए सीमित ट्रेनें संचालित हैं, जबकि बरेली से गोरखपुर के बीच चलने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन का समय भी यात्रियों के अनुकूल नहीं बताया गया है। व्यापार मंडल का कहना है कि बड़ी लाइन बनने के बाद बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ट्रेनों की संख्या कम होने से आम जनता में निराशा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि मरीजों को इलाज के लिए लखनऊ और बरेली जाने में कठिनाई होती है तथा व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शिव तीर्थ स्थल पर कॉरिडोर निर्माणाधीन होने से श्रद्धालुओं की संख्या भविष्य में और बढ़ने की संभावना है। व्यापार मंडल ने मांग की है कि बरेली-पीलीभीत के बीच सुबह के समय दो एक्सप्रेस ट्रेनें तथा लखनऊ-बरेली के बीच उपयुक्त समय पर दो एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएं। पदाधिकारियों का कहना है कि इससे यात्रियों को राहत मिलेगी और रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी।

फन मॉल में 'शतक' चलचित्र का विशेष प्रदर्शन, स्वयंसेवकों की रही सहभागिता

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निर्मित चलचित्र 'शतक' का विशेष प्रदर्शन सोमवार को शहर स्थित फन मॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों एवं राष्ट्र सेविका समिति की स्वयंसेविकाओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम में नगर एवं प्रांत स्तर के पदाधिकारी, विभिन्न जिलों व खंडों से आए प्रचारक तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। चलचित्र के माध्यम से संगठन की 100 वर्षों की यात्रा, सेवा कार्यों और विस्तार को दर्शाया गया। चलचित्र प्रदर्शन के उपरांत प्रांत संघचालक स्वर्ण सिंह ने कहा कि 'शतक' संगठन की विचारधारा, सेवा कार्यों और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को प्रदर्शित करता है। उन्होंने युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों से इसे देखने का आह्वान किया। विभाग प्रचारक अभिषेक ने अपने संबोधन में कहा कि चलचित्र में संगठन की विकास यात्रा और कार्यकर्ताओं के योगदान को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया है।

गोला में 14 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। संत रविदास एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेवा संस्थान में संस्थान के अध्यक्ष शिव भगवान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन मंत्री रामकुमार गौतम ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी अम्बेडकर जयंती पर नगर के प्रमुख मार्गों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं मोटरसाइकिलों के माध्यम से भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के उपरांत डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 11 बजे नगर के मेला मैदान के निकट स्थित संत रविदास एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेवा संस्थान परिसर में अम्बेडकर जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल तथा अध्यक्षता हेतु पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग को आमंत्रित किया गया है। बैठक के पश्चात संस्थान के पदाधिकारियों ने गोला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार गौतम अधिवक्ता का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। बैठक में गोला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संतराम गौतम अधिवक्ता सहित मूलचंद वर्मा, राजनारायण राठी, गौरव शर्मा, जगदीश वर्मा, साहब सिंह, अमित शुक्ला, दिनेश प्रताप सिंह, संदीप सक्सेना, राहुल जायसवाल, पवन गिरि, मनोज पांडेय, कुलवंत सिंह, शौकत अली, राजेश गुप्ता, प्रेम रस्तोगी, चंद्र प्रकाश अधिवक्ता (उच्च न्यायालय), राजेंद्र अग्रवाल, बृजेश यादव, सूर्य प्रकाश अधिवक्ता (उच्च न्यायालय), ज्ञानेश बाजपेई, सूरज श्रीवास्तव, संदीप भार्गव, रमेश मौर्य, ठाकुर प्रसाद अर्कवंशी, रामसागर रावत, मनोज तिवारी, बलबीर चौहान, जितेंद्र सिंह, मनीष साहनी, राम प्रकाश लोधी, सुरेश पाल, राजकुमार कश्यप, दिनेश मेहरोत्रा, गोवर्धनलाल राठौर, सगीरुद्दीन, तुलसीराम गौतम, मूलचंद मित्रा, बराती लाल चौधरी, सुरेंद्रपाल सिंह, बी.एल. चौधरी, दूरीराम, योगेंद्र सिंह 'टाइगर', विष्णु दयाल तथा सुनील चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रयागराज पुलिस ने अपराधी की गिरफ्तारी में महाराष्ट्र पुलिस का किया सहयोग, मिला प्रशंसापत्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की प्रयागराज पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए सहयोग करने के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने प्रशंसा पत्र दिया है। प्रयागराज पुलिस ने महाराष्ट्र के बीड जिले में स्थित शिरूर (कासर) में हुई एक हत्या मामले के आरोपित की गिरफ्तारी में सहयोग किया था। मंगलवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि महाराष्ट्र के बीड जिले के अन्तर्गत थाना शिरुर (कासर) थाने में वर्ष 2025 को धारा-109, 115(2), 118(1), 117(2), 352, 351(3), 189(2), 191(2), 191(3), 190 भारतीय न्याय संहिता से सम्बंधित एक अभियुक्त वांछित था। यह सतीश उर्फ खोक्या निराल्या भोसले निवासी झापेवाड़ी क्षेत्र तहसील शिरुर (कासर) बीड महाराष्ट्र निवासी थी। इसे कमिश्नरेट प्रयागराज के जोन गंगानगर एस.ओ.जी. एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने महाराष्ट्र पुलिस का सहयोग करते हुए 13 मार्च 2025 को प्रयागराज से गिरफ्तार कराया था। पुलिस अधीक्षक बीड ने अभियुक्त सतीश उर्फ खोक्या निराल्या भोसले को गिरफ्तार कराने में मदद की प्रशंसा की थी तथा प्रशंसा पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी गयी । डीसीपी गंगानगर ने मंगलवार को एस.ओ.जी. एवं सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सराहनीय योगदान के लिए प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र दिया और अच्छा प्रयास करने के लिए बधाई दी।

एसपी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को मंगलवार को पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने सम्मानित किया। एसपी ने थाना खुखुन्दू में तैनात। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष खुखुन्दू दिनेश कुमार मिश्र को विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए विशेष रूप से प्रशंसित किया गया। उनके नेतृत्व में लंबित प्रकरणों का प्रभावी अनुश्रवण करते हुए निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। आरक्षी वेद प्रकाश यादव को आईजीआरएस से संबंधित संदर्भों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के लिए सम्मानित किया गया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप जनवरी 2026 में आईजीआरएस निस्तारण के मामले में जनपद देवरिया को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही महिला आरक्षी दीक्षा शुक्ला को मिशन शक्ति फ़ेज-5.0 के अंतर्गत महिला उत्थान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी सम्मानित कर्मियों की सराहना करते हुए अन्य पुलिसकर्मियों को भी कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अज्ञात लोगों ने झोपड़ी में लेटी युवती के मुंह में लगाया टेप और आग लगाई

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रुखाबाद के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जिजपुरा निवासी महेंद्र कुमार की 21 वर्षीय पुत्री नीलम अपने गांव में ही खेत पर झोपड़ी में थी। तभी अज्ञात युवकों ने युवती के मुंह पर टेप लगाकर झोपड़ी में आग लगा दी। जिससे युवती लगभग 90 फीसदी जल गई। जानकारी मिलने पर युवती के भाई अनीश कुमार ने तत्काल मौके पर पहुंच कर 108 एम्बुलेंस के द्वारा सरकारी अस्पताल कायमगंज में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार देने के बाद युवती को जिला अस्पताल लोहिया के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे कोतवाली इंचार्ज मदन मोहन चतुर्वेदी और कस्बा चौकी इंचार्ज सोनवीर सिंह ने घटना की जानकारी ली। युवती ने बताया कि हमलावरों को पहचान नहीं सकी है।

चोरी की मोटरसाइकिल समेत दो शातिर गिरफ्तार

- निघासन पुलिस की कार्रवाई, एक अभियुक्त पर पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

निघासन खीरी। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना निघासन पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी निघासन के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक निघासन के नेतृत्व में 24 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए रंजीत सिंह पुत्र तीरथ सिंह (उम्र लगभग 30 वर्ष) निवासी ग्राम गदनिया, थाना सम्पूर्णानगर तथा रूस्तम सिंह पुत्र स्व. राम गुलाम (उम्र लगभग 22 वर्ष) निवासी ग्राम पढुआ मजरा त्रिकौलिया, थाना सम्पूर्णानगर को गिरफ्तार किया। दोनों अभियुक्त मुकदमा अपराध संख्या 79/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत वांछित चल रहे थे। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से यूपी-31-एजेड-8220 नंबर की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस के अनुसार संबंधित मुकदमे के अतिरिक्त अभियुक्त रंजीत सिंह के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में चोरी एवं अन्य धाराओं में कई मुकदमे पूर्व से पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आदित्य कुमार यादव, कांस्टेबल प्रशांत तेवतिया एवं कांस्टेबल राजकुमार यादव शामिल रहे।

जौनपुर जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मंगलवार को फतेहगंज स्थित पंचशील इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा कक्षों का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, परीक्षार्थियों की बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा केंद्र पर तैनात कार्मिकों की उपस्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा पूरी तरह नकल विहीन और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराई जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या नकल की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

थाना मैलानी पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में थाना मैलानी पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना मैलानी के नेतृत्व में 24 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने लालाराम पुत्र रामभरोसे निवासी ग्राम डाटपुर, थाना मैलानी, जनपद खीरी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध अपराध संख्या 1174/24, धारा 128 दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत वारंट जारी था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार यादव, कांस्टेबल सौरभ कुमार, थाना मैलानी, शामिल रहे।

होलाष्टक आध्यात्मिक ऊर्ज़ा संचय करने का महत्वपूर्ण सप्ताह : पवन श्रीवास्तव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। भगवान शिव की आराधना एवं आरती उतारने के बाद होली जो सामाजिक समरसता का प्रमुख पर्व है। उसके एक सप्तपुर लगने वाले होलाष्टक आज बड़ी धूमधाम से कटघर स्थित मंदिर में भक्तों द्वारा बनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान शिव की पूजा अर्चना एवं आरती करने के उपरांत भक्त जनों ने फूलों की होली खेल कर होली के वातावरण का स्वागत करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भक्ति संगीत पर झूम कर नृत्य किया। सभी भक्तों को होलाष्टक की जानकारी देते हुए पूर्व विहिप नेता महानगर मीडिया प्रभारी पवन श्रीवास्तव ने बताया कि होली जैसा महान पर्व एक सप्ताह पूर्व से लग जाता है, जिसमें कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है। उन्होंने कहा कि वह लास्ट तक आध्यात्मिक ऊर्ज़ा संचय करने का प्रमुख सप्ताह है। जिसमें ईश्वर की प्रार्थना तब और ध्यान लगाकर अपने भविष्य को उचित मार्ग पर ले जाने का सशक्त माध्यम है। पार्षद नीरज गुप्ता ने सभी क्षेत्रवासियों को होली की बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा आपस के सभी मतभेद और मनभेद को दूर कर होली का पर्व खुशियों के साथ मनाना चाहिए द्य उक्त अवसर पर भाजपा नेता विनोद सोनकर, निखिल केसरवानी, सत्या जायसवाल, विशाल अग्रहरी, विष्णु तिवारी, सनी केसरवानी, खुशबू केसरवानी, मल्टी केसरवानी, सुनीता चौरसिया, अंजलि केसरवानी, नीलम केसरवानी, सोना, अल्पना अग्रहरि सहित अनेक भक्तजन उपस्थित रहे।

जालौन में बसपा ने 2027 की तैयारी की तेज

आशीष पांडेय को माधौगढ़ से घोषित किया प्रत्याशी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आज जालौन के माधौगढ़ स्थित अमृता पैलेस में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का जिला और विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बसपा के मंडल के प्रभारी लालाराम अहिरवार ने माधौगढ़ विधानसभा सीट से कुरौली निवासी आशीष पांडेय को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा के बुंदेलखंड चित्रकूट मंडल के प्रभारी लालाराम अहिरवार ने सम्मेलन में आशीष पांडेय के नाम की औपचारिक घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सोच-समझकर उन्हें माधौगढ़ विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बसपा सर्व समाज को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और 2027 का चुनाव संगठन की मजबूती, अनुशासन और जनसमर्थन के दम पर लड़ा जाएगा। अहिरवार ने कहा कि पार्टी की नीतियां ल्लसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायङ्क के सिद्धांत पर आधारित हैं और गरीब, दलित, पिछड़े, किसान, युवा व व्यापारी वर्ग के सम्मान और विकास के लिए बसपा लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अभी से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर जनसंपर्क अभियान तेज करने का आह्वान किया। माधौगढ़ से प्रत्याशी घोषित होने के बाद आशीष पांडेय ने बसपा सुप्रीमो मायावती और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। प्रमुख रूप से झांसी मंडल प्रभारी डॉ. बृजेश जाटव, रविकांत मौर्य, विधानसभा प्रभारी माधौगढ़ राजकुमार पड़रिया, विधानसभा अध्यक्ष सरदार सिंह चौधरी, प्रभारी मानवेंद्र निरंजन, उपाध्यक्ष दीपू राजावत, कोषाध्यक्ष रोहित दीक्षित, सचिव हरदासपाल, नगर अध्यक्ष शैलेंद्र गौतम, मंडल प्रभारी इकलाख, चेतन दयालु तथा कोंच नगर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा सहित कई नेता उपस्थित रहे। अंत में कार्यकर्ताओं ने 2027 में बसपा की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

न्यूजीलैंड पर जीत दर्ज करने के लिए श्रीलंका को करना होगा काफी सुधार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका को अगर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले सुपर आठ के करो या मरो के मुकाबले में स्पिन गेंदबाजों के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।

पाल्लेकल की धीमी पिच पर इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के बल्लेबाज स्पिनरों के सामने बुरी तरह से फ्लॉप रहे और 147 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंका की पिचें सह-मेजबान भारत की पिचों की तुलना में बल्लेबाजी के लिए ज्यादा मुश्किल रही हैं और प्रेमदासा पिच पर भी यही सिलसिला जारी रहने की संभावना है, जहां बड़ी बाउंड्री के कारण छक्के लगाना आसान नहीं है। सुपर आठ के पहले मैच में मिली करारी हार के बाद श्रीलंका के बल्लेबाजों के शॉट चयन पर सवाल उठाए गए थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, ''यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो यह कहना आसान है, करना मुश्किल। उन्होंने कहा, ''क्या इससे बेहतर विकल्प थे। निश्चित रूप से हो सकते थे। मैंने सोचा कि ऐसे विकेट पर जहां गेंद रुक कर आ रही हो, वहां तेजी से रन बनाना अच्छा विचार नहीं है। हमारे कुछ बल्लेबाज तेजी से रन चुराने के प्रयास में आउट हो गए थे। मुझे नहीं लगता कि इन परिस्थितियों में इस तरह से खुद को जोखिम में डालना अच्छा विकल्प था। पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने गेंदबाजी में प्रभावित किया है। न्यूजीलैंड को प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद पाकिस्तान के साथ एक अंक साझा करना पड़ा। उसके पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। इस मैच में बारिश की संभावना नहीं है और इसलिए दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान शानदार फॉर्म दिखाया और वे उस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। रचिन रविंद्र से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की थी।

टीम इस प्रकार हैं: श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा। न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

जिम्बाब्वे के कोच सैमन्स ने कहा, भारत कोई कसर नहीं छोड़ेगा लेकिन हमें स्मार्ट क्रिकेट खेलनी होगी

एजेंसी

मुंबई। जिम्बाब्वे के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स जानते हैं कि भारत उनके खिलाफ गुरुवार को टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में आक्रामक रुख अपनाएगा, लेकिन उनका मानना ??है कि वेस्टइंडीज से मिली करारी हार से मिले सबक के बाद उनकी कमजोर मानी जाने वाली टीम इस महत्वपूर्ण मैच के लिए पूरी तरह से तैयार रहेगी। वेस्टइंडीज ने सोमवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे को 107 रन से करारी शिकस्त दी। भारत को भी अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से 83 रन से हार का सामना करना पड़ा था और सैमन्स को लगता है कि भारतीय टीम उनके खिलाफ शुरू से ही हावी होकर खेलने की कोशिश करेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद सैमन्स ने कहा, ''हम जानते हैं कि भारत किस तरह से खेलेगा और उनका तरीका भी वैसा ही होगा जैसा कि वेस्टइंडीज ने अपनाया। वे (भारत) कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, ''इससे हमें अच्छी सीख मिलेगी। हम दबाव से कैसे निपटते हैं, हम कैसे शांत रहते हैं और कैसे तुरंत सोच-समझकर काम करते हैं। हम कैसे बदलाव करने की कोशिश करते हैं और कैसे बल्लेबाजों की लय को बिगाड़ते हैं। सैमन्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम विशेष रूप से गेंदबाजी इकाई को लेकर विपक्षी टीम ने जो पूर्व अनुमान लगाए वह सही साबित हुए और भारत के खिलाफ इस तरह की गलती से बचना होगा। उन्होंने कहा 'हम इस मामले में थोड़ा और समझदारी से काम ले सकते हैं। चेन्नई का मैदान थोड़ा बड़ा होगा और शायद इस लिहाज से वहां हमें थोड़ी ज्यादा आसानी होगी।''

डोपिंग टेस्ट से बचने पर एआईयू ने भारतीय धाविका पूजा आत्माराम पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

नयी दिल्ली। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने खुलासा किया है कि भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम पिछले साल प्रतियोगिता के दौरान होने वाले डोप परीक्षण से पहले घबराकर भाग गई थीं और यह अपराध स्वीकार करने के बाद उन पर चार के बजाय तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। तीस वर्षीय पूजा 5000 मीटर और 10,000 मीटर स्पर्धाओं में भाग लेती हैं। उन्होंने 2024 में राजस्थान की तरफ से इंडियन ग्रां प्री दो में तीसरा स्थान हासिल किया था, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले साल 23 नवंबर को मुंबई में इंडियन ऑयल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन जीतने के बाद उन्हें डोप टेस्ट के लिए चुना गया था। एआईयू ने अपने फैसले में कहा, ''दौड़ समाप्त होने के तुरंत बाद एक डोपिंग कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) और एक लीड डीसीओ ने इस एथलीट को मौखिक रूप से डोपिंग टेस्ट के लिए चुने जाने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद इस एथलीट ने डोपिंग कंट्रोल फॉर्म (डीसीएफ) पर हस्ताक्षर नहीं किए। मौखिक सूचना मिलने के बाद एथलीट को फिनिश लाइन से डोपिंग कंट्रोल स्टेशन (डीसीएस) तक ले जाने के लिए एक सहायक साथ में था। इसी दौरान एथलीट सहायक से अलग होकर भीड़ में भाग गई। इसमें कहा गया है, ''पर्यवेक्षक ने एथलीट का पता लगाने की कोशिश की और तुरंत सूचित किया कि परीक्षण के लिए चुने जाने की मौखिक सूचना डीसीओ को दिए जाने के बाद एथलीट भाग गई। उन्होंने इस संबंध में दौड़ के निदेशक को भी जानकारी दी। निदेशक ने उनसे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी भी कॉल का जवाब नहीं दिया। पूजा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई इसी वर्ष तीन फरवरी को शुरू की गई थी। आरोप की सूचना मिलने के एक सप्ताह के भीतर ही उन्होंने अपने अपराध के लिए माफी मांग ली थी।

टीम में जगह के लिये अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी : भारतीय महिला हॉकी कोच मारिन

एजेंसी

नयी दिल्ली। अतीत की उपलब्धियां कोच शोर्ड मारिन की टीम में चयन की गारंटी नहीं है और भारतीय महिला हॉकी टीम के लिये बेहद महत्वपूर्ण वर्ष 2026 में सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह के लिये अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी। तोक्यो ओलंपिक 2021 में मारिन के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही और पिछले साल एफआईएच प्रो लीग से भी बाहर हो गई । इसके अलावा एशिया कप के जरिये विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने में भी नाकाम रही। हैदराबाद में आठ से 14 मार्च तक होने वाले विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम के साथ लौटे मारिन कोई कोताही नहीं बरतना चाहते और जरूरत पड़ने पर कड़े फैसले लेने से भी नहीं हिचकिचायेंगे। उन्होंने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' हमने छह जूनियर खिलाड़ियों को ग्रुप में रखा है। भारतीय टीम के साथ लौटने की घोषणा होने के तुरंत बाद से मैने हॉकी इंडिया लीग में जूनियर खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखना शुरू किया। ये लड़कियां सीनियर खिलाड़ियों के साथ अच्छा तालमेल शिविर में दिखा रहीं हैं । यह पूछने पर कि तोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा रहे सीनियर खिलाड़ियों की इस पर क्या प्रतिक्रिया है , उन्होंने कहा ,'' सीनियर्स समझते हैं कि अतीत की उपलब्धियां मायने नहीं रखती और टीम में जगह बनाने के लिये सभी को अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी । वे भी इससे सहमत हैं और टीम खेल में यह आम बात है । उन्होंने दोहराया कि चीजें रातोंरात नहीं बदलेगी लेकिन कहा कि टीम धीरे धीरे वहां तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा ,'' हम छोटे छोटे कदम ले रहे हैं। जब मैं और वेन (लोम्बार्ड) यहां आये तब कई खिलाड़ियों को कुछ न कुछ फिटनेस समस्या थी। यह रातोरात ठीक नहीं होगा और हमें एहतियात भी बरतनी होगी। मारिन ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की दीर्घकालिन रणनीति भी बनाई है लेकिन अभी उनका फोकस वहां तक पहुंचने की प्रक्रिया पर है । तोक्यो में उन्होंने दिल जीते लेकिन उन्हें भी पता है कि पिछले कुछ साल के प्रदर्शन को देखते हुए 2028 की राह और भी कठिन है । उन्होंने कहा ,'' तोक्यो में हमसे किसी को उम्मीद नहीं थी लेकिन आज भी हम नौवे नंबर पर है। टीम पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी और प्रो लीग से बाहर हो गई। हम शीर्ष चार में नहीं हैं लिहाजा इस बार भी नये सिरे से शुरूआत करनी होगी। उन्होंने कहा ,'' जब आप ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं करते तो अगले ओलंपिक की तैयारी और जल्दी शुरू कर देते हैं। बेल्जियम इसका उदाहरण है जिसने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं किया तब अगले ही दिन से नये चक्र की तैयारी शुरू कर दी। अब आप देखिये कि वह टीम कहां है। मारिन की प्राथमिकता में सिर्फ फिटनेस नहीं है बल्कि वह मानसिक अनुकूलन और टीम में एकजुटता पर भी काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट और तीन वनडे के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैच और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए इस साल सितंबर अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। पिछले साल जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के बाद दोनों टीम पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर 37 वर्षों में पहली बार कोई बड़ी ट्रॉफी जीती थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को बताया कि एकदिवसीय मैच 24 सितंबर को डरबन में, 27 सितंबर को जोहानिसबर्ग में और 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे। इसके बाद 3-4 अक्टूबर को पोटचेफस्ट्रूम में दो दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा। पहला टेस्ट मैच नौ अक्टूबर को डरबन में शुरू होगा। दूसरा टेस्ट मैच 18 अक्टूबर से गकेबरहा (पूर्व में पोर्ट एलिजाबेथ) में तथा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 27 अक्टूबर से केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला जाएगा।

प्राग शतरंज महोत्सव: गुकेश की निगाह साल की पहली सफलता पर

प्राग (चेक गणराज्य)। विश्व चैंपियन डी गुकेश विश्व कप से जल्दी बाहर होने और टाटा स्टील मास्टर्स में निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर बुधवार से यहां शुरू होने वाले प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में साल का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त गुकेश को शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी विंसेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिनका हाल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। कीमर लाइव रेटिंग में चौथे स्थान जबकि अब्दुसत्तोरोव पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश 10वें स्थान पर हैं और इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में रेटिंग के मामले में सबसे आगे हैं। पिछले कुछ समय तक लाइव रेटिंग में शीर्ष 10 में तीन भारतीय खिलाड़ी हुआ करते थे, लेकिन अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञाननंदा खराब प्रदर्शन के कारण नीचे खिसक गए हैं। गुकेश के साथ इस प्रतियोगिता में एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। यही वह प्रतियोगिता है जिसने चेन्नई के इस खिलाड़ी को पहली बड़ी सफलता दिलाई थी। अमेरिका के हैंस नीमन एक और ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। ईरान के परहम मगसूदलू भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे जबकि नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वैन फोरस्ट ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है जिससे वह भी दावेदारों में शामिल हो गए हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त चिदंबरम टाटा टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2700 रेटिंग क्लब में वापसी करने की उम्मीद कर रहे होंगे। चिदंबरम के लिए यहां पिछली बार के प्रदर्शन को दोहराना एक कठिन चुनौती होगी। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुब्बोएव, स्पेन के डेविड एंटोन गुज्जारो और स्थानीय स्टार डेविड नवरा नौ दौर की मास्टर्स प्रतियोगिता के लिए 10 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। चैलेंजर्स वर्ग में सूर्य शेखर गांगुली और महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

रेवा डायमंड ज्वेलरी का आईपीओ लॉन्च चार मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। ज्वेलरी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का 380 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 26 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर चार मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक कंपनी के इस आईपीओ को सिर्फ 0.05 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 367 रुपये से लेकर 386 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 32 शेयर का है। रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को न्यूनतम एक लॉट यानी 32 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 12,352 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल इनवेस्टर्स इस आईपीओ में अधिकतम 16 लॉट यानी 512 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,97,632 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 98,44,559 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसमें एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 44.94 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। आईपीओ लॉन्चिंग के एक दिन पहले कल यानि सोमवार को रेवा डायमंड ज्वेलरी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 170.58 करोड़ रुपये की राशि जुटाने में सफलता हासिल की। कंपनी ने 16 एंकर इन्वेस्टर्स को 386 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कुल 44.19 लाख शेयर आवंटित किए। कंपनी के एंकर बुक में कई बड़े इन्वेस्टर ने अपने रुचि दिखाई है। इनमें टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड ने 40 करोड़ रुपये के निवेश से सबसे अधिक 10.36 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह टाइगर स्ट्रेटजीज फंड ने 24 करोड़ रुपये और सेजवन फ्लैगशिप ग्रोथ फंड ने 20 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा ग्रो म्युचुअल फंड, सिटी ग्रुप ग्लोबल और सोसायटी जनरल जैसे दिग्गज इन्वेस्टर भी कंपनी के एंकर बुक में शामिल हुए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 51.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त पेंशनभोगी को शुल्क में छूट दिलाने में ईएफआई की भूमिका पर सवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने अर्जुन पुरस्कार विजेता मेजर जनरल दीप अहलावत को एक प्रतियोगिता घोड़े के आयात के लिए सीमा शुल्क में छूट की सुविधा प्रदान की, जबकि वह पेंशनभोगी पूर्व खिलाड़ी हैं जो अब खेल में सक्रिय नहीं हैं। ईएफआई के इस फैसले पर सवाल उठ रहे हैं। अर्जुन पुरस्कार पेंशन योजना के तहत लाभार्थियों को यह वचन देना होता है कि वे सक्रिय प्रतियोगी नहीं हैं। संन्यास ले चुके घुड़सवार और अर्जुन पुरस्कार विजेता मेजर जनरल अहलावत वर्तमान में इस पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। कुछ दस्तावेज हैं जिनसे पता चलता है कि 26 जून को ईएफआई ने विदेश व्यापार महानिदेशालय को पत्र लिखकर जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड, स्पेन, डेनमार्क, बेल्जियम और हंगरी से छह घोड़ों को लाने के लिए उपयुक्त शुल्क रियायतों के साथ आवश्यक आयात लाइसेंस जारी करने का अनुरोध किया था। महासंघ ने पत्र में कहा कि इस कदम से भारत में घुड़सवारी खेल के विकास में मदद मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने की संभावना में सुधार होगा। ईएफआई ने नौ सितंबर 2025 को फिर से खेल मंत्रालय को लिखा कि मेजर जनरल अहलावत प्रशिक्षण और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दो घोड़ों का आयात करेंगे और उनमें से एक के लिए शुल्क में छूट की जरूरत है। संघ ने मंत्रालय से सीमा शुल्क छूट प्रमाणपत्र (सीडीईसी) जारी करने का अनुरोध किया था। आयातित घोड़ा वार्मब्लड नस्ल का है जिसका नाम लवली मिस मोनेपेनी है। ईएफआई के इस फैसले ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। शुल्क में छूट के साथ प्रतियोगिता घोड़ों के आयात को सुगम बनाना उस पेंशन संबंधी वचन के विपरीत लगता है जिसके तहत पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति का सक्रिय खेल से दूर रहना जरूरी होता है। पेंशन के लिए आवेदन करते समय आवेदक को यह वचन देना होता है कि उसने ''सक्रिय खेल करियर से संन्यास ले लिया है। ईएफआई के संयुक्त सचिव के रूप में अहलावत को घोड़े के आयात के लिए सिफारिश करने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल एमएम रहमान ने कहा कि उन्होंने निर्णय लेते समय ईएफआई की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन किया। रहमान ने कहा, ''घोड़ों के आयात पर ईएफआई के एसओपी के प्रावधानों के अनुसार फैसला किया गया। एसओपी में हालांकि इसका उल्लेख नहीं है कि क्या किसी संन्यास ले चुके खिलाड़ी को घोड़े के आयात के लिए सुविधा दी जा सकती है।

प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व चालू वित्त वर्ष में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 315 अरब डॉलर रहेगा: नैसकॉम

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 315 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। नैसकॉम ने मंगलवार को यह बात कही। उद्योग संगठन ने वित्त वर्ष 2024-25 के राजस्व अनुमान को पूर्व के282.6 अरब डॉलर से बढ़ाकर 297 अरब डॉलर कर दिया है। नैसकॉम ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व वृद्धि मामूली रूप से बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 5.9 प्रतिशत थी। नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने कहा कि उद्योग अब भी शुद्ध रूप से रोजगार देने वाला बना हुआ है और कुल कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 59.5 लाख होने का अनुमान है, जो गत वित्त वर्ष में 58.2 लाख थी।

कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ने मुंबई में नया विकास कार्यालय खोला

नई दिल्ली। कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ने मंगलवार को मुंबई में अपना डेवलपमेंट ऑफिस खोला है। इसका उद्घाटन राजनेता शाइना एनसी ने किया। इस दौरान कासाग्रैंड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अरुण एमएन और सीनियर मैनेजमेंट टीम के लोग भी मौजूद रहे। कंपनी ने एक बयान में बताया कि लोअर परेल स्थित पेनिनसुला बिजनेस पार्क के टावर बी की 11वीं मंजिल पर स्थित यह कार्यालय पश्चिमी भारत में कैसाग्रैंड के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कासाग्रैंड दक्षिण भारत का एक जाना-माना रेजिडेंशियल ब्रांड है। एक जनवरी 2017 से 30 जून 2025 के दौरान चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर में यह सबसे बड़ा डेवलपर रहा है। कासाग्रैंड ब्रांड के तहत लग्जरी, मिड-रेंज और किफायती कैटेगरी में अपार्टमेंट और इंडिपेंडेंट विला ऑफर करती है। रियल एस्टेट सेक्टर में 22 साल के अनुभव के साथ कासाग्रैंड के पास चेन्नई, बेंगलुरु, कोयंबटूर, हैदराबाद, पुणे जैसे पांच प्रमुख भारतीय शहरों और दुबई में 180 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स और 8.8 करोड़ स्क्वायर फीट से ज्यादा के डेवलपमेंट का मजबूत पोर्टफोलियो है। प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ऑफिस का पता है, 11वीं मंजिल, टावर ञ, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 है। इस मौके पर कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन ने कहा, ॣमुंबई में हमारे नए डेवलपमेंट ऑफिस का उद्घाटन हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि इस विस्तार से पार्टनर्स, कंसल्टेंट्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी, साथ ही इस क्षेत्र में हमारे कामकाज में भी तेजी आएगी।

अमेरिका के 15 प्रतिशत शुल्क से एशिया-प्रशांत की कुछ अर्थव्यवस्थाओं को फायदा: मूडीज एनालिटिक्स

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 प्रतिशत के एकसमान शुल्क का एशिया-प्रशांत क्षेत्र की कुछ अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिल सकता है जिन्हें पहले अधिक ऊंचे शुल्क का सामना करना पड़ा है। इनमें चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकतर देश शामिल हैं। मूडीज एनालिटिक्स ने मंगलवार को बयान में कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान (चीन) जैसे देशों पर इसका प्रभाव हालांकि सीमित होगा जहां शुल्क पहले से ही 15 प्रतिशत है। बयान में कहा गया है, '' काफी अनिश्चितता है, लेकिन हम कुछ बातें जानते हैं। 15 प्रतिशत का समान शुल्क उन एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं को लाभ पहुंचाएगा, जिन्हें कहीं अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन के देश-विशिष्ट शुल्क के खिलाफ फैसला दिया था, जिसके बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया। बाद में इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की भी घोषणा की है। हालांकि, इस संबंध में अब तक कोई आदेश या अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

झारखंड सरकार ने 2026-27 के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया

एजेंसी

रांची। झारखंड सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में कृषि गतिविधियों में लगी महिलाओं के लिए एक योजना की घोषणा की गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नीत सरकार ने 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा में कहा, '' मैं सदन के पटल पर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपये का बजट रखता हूं। किशोर ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग.. गरीब, किसान, आदिवासी और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, '' 'अबुआ दिशोम' (हमारा अपना) बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा और गरीबों के आंसू पोंछेगा३ महिला किसानों के लिए 'महिला खुशहाली योजना' शुरू की जा रही है। इसके लिए हमने 25 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, अगले वित्त वर्ष में 100 नए 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' खोले जाएंगे। उन्होंने कहा, '' झारखंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा यहां देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर और राजरप्पा मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के साथ-साथ नेतरहाट जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त मंत्री ने कहा, '' विपक्ष द्वारा बाधाएं उत्पन्न किए जाने के बावजूद, हम झुकेंगे नहीं और राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। किशोर ने झारखंड को पर्याप्त वित्तीय सहायता न देकर केंद्र पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, '' राज्य को केंद्रीय करों में 5,000 करोड़ रुपये का हिस्सा नहीं मिला३ और अनुदान सहायता के रूप में 11,000 करोड़ रुपये भी नहीं मिले। केंद्रीय करों में हिस्सेदारी धीरे-धीरे घट रही है वीबी-जी राम जी (अधिनियम) के कारण राज्य को 5,640 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कोयला आपूर्ति के बदले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को ''1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि का भुगतान न करने'' को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मुरादाबाद : फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर प्रदर्शन, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर विवाद नहीं थम रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में मंगलवार को यादव समाज की ओर से इस फिल्म के टाइटल और कंटेंट को लेकर कड़ा विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। जिसमें प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के नाम और कहानी पर गंभीर आपत्ति जताई है। यादव समाज के उमेश यादव का कहना है कि फिल्म का टाइटल जानबूझकर ऐसा रखा गया है जिससे यादव समाज की भावनाएं भड़कें और फिल्म को मुफ्त में प्रचार मिल जाए। संगठन का आरोप है कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया जा रहा है। उनका कहना है कि किसी भी जाति विशेष का नाम जोड़कर फिल्म बनाना और उसे नकारात्मक ढंग से दिखाना गलत है। धर्मेंद्र यादव का आरोप है कि फिल्म में एक खास जाति की छवि को गलत तरीके से पेश किया गया है। उनका कहना है कि इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर इस तरह की फिल्में बनेंगी तो समाज में गलत संदेश जाएगा।

होली में खलल डालने वालों पर पैनी नजर, होगी सख्त कार्रवाई : एसएसपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में होली से पूर्व कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। सोमवार रात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्या ने गूगल मीट के जरिए जिले भर के मातहत अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ मैराथन समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि त्योहार के दौरान गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ तुरंत और कठोर कार्रवाई की जाए। किसी भी सूरत में शांति व्यवस्था से समझौता न किया जाए। बैठक में जिले में दर्ज अपराधों, लंबित विवेचनाओं और पुनर्विवेचना वाले मामलों की एक-एक कर समीक्षा की गई। एसएसपी ने पेंडिंग मामलों पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि क्षेत्राधिकारियों की निगरानी में सभी लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। हर एफआईआर को ई-साक्ष्य ऐप से लिंक करने और लंबित एसआईडी को संबंधित एफआईआर से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए, ताकि जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी लाई जा सके। आगामी होली पर्व को देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए। होलिका दहन स्थलों और जुलूस मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने को कहा गया है। जिन इलाकों में पिछले वर्षों में विवाद या तनाव की स्थिति बनी थी, वहां विशेष सतर्कता और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। डायल 112 पर आए पुराने इवेंट्स की भी समीक्षा होगी। संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर ड्यूटी चार्ट तैयार करने, क्लस्टर मोबाइल के माध्यम से लगातार गश्त करने और उच्चाधिकारियों को पल-पल की सूचना देने के आदेश दिए गए हैं। एसएसपी ने दो टूक कहा कि होली उल्लास और सौहार्द के साथ मनाई जाएगी, लेकिन कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

अमेठी में युवक की हत्या से हड़कंप

अमेठी। अमेठी जिले के बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे में ही एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि युवक की गला काटकर निर्मम हत्या की गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर जांच तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में जुटी हुई है। मृतक युवक की पहचान शाहिद (35) पुत्र शरीफ निवासी कस्बा बाजार शुक्ल के रूप में हुई है। शाहिद की लाश उसके घर से लगभग 1 किलोमीटर दूर इंटर कॉलेज रोड पर भारत गैस एजेंसी के पास सड़क के किनारे पड़ी ग्रामीणों ने देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना की गई। बताया जा रहा है कि युवक ने प्रेम विवाह किया था। युवक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर हिन्दू सम्मेलन का आयोजन, एकता पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के भाग्यनगर ब्लॉक के गांव पीपरपुर में मंगलवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता हरिश्चंद्र पोरवाल ने कहा कि वर्ण व्यवस्था जन्म के अनुसार नहीं कर्म के अनुसार है हमको सबका सम्मान करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक अनूप ने पंच परिवर्तन के विषयों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में गिरीश तिवारी ने कहा कि जिस प्रकार हाथ की पांचो उंगलियों का महत्व है उसी प्रकार से समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों का महत्व है। महिला शक्ति के रूप में सक्षम की पदाधिकारी सुमन चतुर्वेदी ने महिलाओं से भारतीय सभ्यता संस्कृति के अनुरूप व्यवहार करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामबाबू दोहरे तथा संचालन इंद्रपाल पाल ने किया। कार्यक्रम संयोजक रामू पांडेय व विकास पांडेय ने किया। इस मौके पर मुन्नू कुशवाहा, सुभाष दीक्षित, गुड्डन तिवारी, नारायण सिंह, सुभाष तिवारी, हरिओम, शिवकांत, उत्सुक, राजीव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वरूणा नदी में कूदे युवक का शव मिला

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में सारनाथ थाना क्षेत्र के नक्खीघाट पुल से वरूणानदी में कूदे युवक का शव दूसरे दिन मंगलवार को वरूणा कॉरिडोर के किनारे उतराया मिल गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से शव को नदी से बाहर निकलवाया। पंचनामा की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सारनाथ थाना पुलिस के अनुसार, सारनाथ पुराना पुल पुलिस चौकी क्षेत्र के दीनदयालपुर निवासी सूरज राजभर (20)पुत्र चंद्रबली राजभर सोमवार तड़के साइकिल से नक्खीघाट पुल पहुंचा। पुल के किनारे साइकिल खड़ी करने और चप्पल निकालने के बाद सूरज न3 वरूणा नदी में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद आसपास के लोगों की नजर साइकिल और चप्पल पर पड़ी तो घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पीआरबी के जवानों ने पूछताछ करते हुए पहचान की। कुछ ही देर में परिजन भी मौके पर आ गए। नदी में कूदे युवक के पिता ने पूछताछ में बताया कि बेटा सूरज अपनी मां की मौत के बाद से मानसिक रूप से बीमार रहता था। उसका इलाज भोजूबीर इलाके के एक चिकित्सक के यहां चल रहा था। पुलिस ने एसडीआरएफ व एनडीआरएफ टीम को मौके पर बुलवाया। टीम ने पूरे दिन वरूणा नदी में युवक की तलाश में सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज सुबह उसका शव मिल गया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई की।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म पर रोक की मांग, यादव महासभा ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में अखिल भारतवर्षीय युवा यादव महासभा ने 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। महासभा के पदाधिकारियों ने फिल्म पर रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष उमा राज यादव ने कहा कि यादव समाज का देश के सामाजिक, राजनीतिक और सैन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी माध्यम से समाज की छवि को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि फिल्म में आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री हुई तो सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। महासभा ने मांग की कि संबंधित विभाग फिल्म की सामग्री की जांच कराएं और जांच पूरी होने तक इसके प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए। चेतावनी दी गई कि मांगों पर ध्यान न देने पर संगठन आंदोलन करेगा।

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के वार्षिकोत्सव में झूमे बच्चे, प्रदर्शनी में दिखी विज्ञान की उड़ान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कुशहां (द्वितीय) में मंगलवार को वार्षिकोत्सव एवं शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विद्यालय परिसर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विज्ञान प्रदर्शनी और सम्मान समारोह से दिनभर गुलजार रहा। मुख्य अतिथि अपना दल (एस) की विधानसभा क्षेत्र छानबे से विधायक रिंकी कोल ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा। कार्यक्रम में आठवीं की छात्रा साक्षी देवी ने शास्त्रीय शैली में दुर्गा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। अन्य छात्राओं ने राजस्थानी लोकनृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। रंगारंग कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रिंकी कोल ने बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में पवन चक्की, वायुमंडल की परतें, अस्पताल मॉडल, इसरो रॉकेट, जल विद्युत संयंत्र तथा पुरातात्विक क्षेत्र से संबंधित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए गए। विधायक रिंकी कोल विधायक ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने का सपना देखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर वर्ष भर 95 प्रतिशत उपस्थिति वाले आठवीं के राज पाठक, सातवीं की अनन्या तथा छठवीं की गरिमा गौतम को मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं आठवीं के जयवीर और निखिल को सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रधानाध्यापिका अनीता मिश्रा ने आगंतुकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन यूपीएस विजयपुर के प्रधानाध्यापक अमरेश चंद्र शुक्ल ने किया। समारोह में बीडीओ रामपाल, बीईओ राजेश श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य देवराज सिंह, राजेन्द्र पाठक, राजकुमार दुबे, मुन्ना सिंह गहरवार, नितिन तिवारी, अनूप पांडेय, उदय नारायण तिवारी, मुकेश चंद्र, मनोरमा देवी, ऊषा देवी, कृतिका श्रीवास्तव, राजेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आईएमएस-बीएचयू में 'एनजीएस' कार्यशाला कैंसर निदान की दिशा में हो रही महत्वपूर्ण चर्चा

- प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी के अंतराल को पाटने, 'डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग' पर चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), चिकित्सा विज्ञान संस्थान की पहल पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी और 'डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग'पर चर्चा हुई। 'डायमंड्स' केंद्र (डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस्ड मॉलिक्यूलर ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज) के तत्वावधान में आयोजित ''एनजीएस लाइब्रेरी प्रिपरेशन एंड बायोइनफॉरमैटिक्स एनालिसिस'' विषयक कार्यशाला में कैंसर जीनोमिक्स पर भी मंथन किया गया। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) व भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से स्थापित 'डायमंड्स' केंद्र को कैंसर अनुसंधान और उपचार के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में विकसित किया गया है। इसका मुख्य मिशन जीनोमिक अनुसंधान और नैदानिक अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम करना है, जिससे आधुनिक 'प्रिसिजन मेडिसिन' के लिए आवश्यक म्यूटेशन-आधारित कैंसर परीक्षण संभव हो सकें। कार्यशाला में प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी के अंतराल को पाटने पर भी विमर्श हुआ। बताया गया कि जैसे-जैसे कैंसर का उपचार व्यक्तिगत उपचारों की ओर बढ़ रहा है, नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) तकनीक अपरिहार्य हो गई है। ट्यूमर में विशिष्ट म्यूटेशन की सटीक पहचान करके, चिकित्सक अब सामान्य उपचार के बजाय 'लक्षित थेरेपी' दे सकते हैं, जिससे मरीजों के ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इन जटिल तकनीकों के प्रबंधन के लिए कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को देखते हुए, आईएमएस-बीएचयू ने इस कार्यशाला को पूर्ण व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैदराबाद के डॉ. नीरज चौहान,दर्शन शर्मा के साथ डॉ. रश्मि पटेल और डॉ. मोनिका राजपूत प्रतिभागी चिकित्सकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। कार्यशाला संयोजक प्रो. मनोज पांडेय के अनुसार पहले दिन प्रतिभागियों ने क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी में एनजीएस के मूल सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया। मुख्य सत्रों में आयन टोरेंट सीक्वेंसिंग प्लेटफॉर्म पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्यूबिट के माध्यम से डीएनए मात्रा का निर्धारण और बारकोडिंग के साथ एम्प्लिकॉन-आधारित लाइब्रेरी तैयारी शामिल रही। वहीं, दूसरे दिन 'डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग' पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि स्थानीय शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को इन विशेष तकनीकी कौशलों से सशक्त बनाकर, 'डायमंड्स' केंद्र पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के लिए तकनीक-संचालित कैंसर देखभाल की रीढ़ बनने की दिशा में अग्रसर है।

एआई समिट में कांग्रेस नेताओं के कपड़े उतारकर प्रदर्शन के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने विरोध जताया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महानगर महिला मोर्चा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा एआई समिट में कपड़े उतार कर प्रदर्शन के विरोध में नाराजगी जताई। मोर्चा की पदाधिकारियों ने गुस्सा प्रकट करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अनुज सिंह को सौंपा।

इस दौरान भाजपा पदाधिकारी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन में खा गया कि हाल ही में एआई समिट के दौरान कांग्रेस पार्टी के नेतागणों की ओर से कपड़े उतार कर जो अशोभनीय, असंवैधानिक, अमर्यादित कृत्य किया गया है, उससे पूरे देश की मातृशक्ति की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। सांसद व संसद किसी भी देश की गरिमा लोकतंत्र और अनुशासन का प्रतीक होती है। इस प्रकार का कृत्य मर्यादा के विरुद्ध है। भाजपा महिला मोर्चा महानगर इस घटना की घोर निंदा भर्त्सना करके विरोध करता है। ज्ञापन में मांग की गई कि इस प्रकार के कृत्यों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही सम्मिलित कांग्रेस सांसदों व कार्यकर्ताओं पर की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति न हो। प्रदर्शन करने वालों में कार्यक्रम संयोजक भाजपा महिला मोर्चा की महानगर महामंत्री हेमा खत्री, सह संयोजक पूर्णिमा खन्ना, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, महिला मोर्चा की महानगर महामंत्री सुनीता सैनी, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जायसवाल, सुनीता शर्मा, मयंक खत्री, राहुल शर्मा, विशाल त्यागी, अभिषेक चौबे, दीक्षांत चौधरी, अश्वनी शर्मा आदि उपस्थित रहे।